CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 166 ता. 27 दिसम्बर 2021, सोमवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों और राज्यों को लिखा पत्र, शोधगंगा पोर्टल पर थीसिस अपलोड करना अनिवार्य

नई दिल्ली। देश के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों को पीएचडी छात्रों का ब्यौरा और उनकी थीसिस शोधगंगा पोर्टल पर अपलोड करनी अनिवार्य है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसको लेकर राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है। इसमें लिखा है कि यदि कोई उच्च शिक्षण संस्थान नियमों का उल्लंघन करता है तो फिर उसे नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 (एनआईआरएफ) से बाहर कर दिया जाएगा। दरअसल एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 के लिए वर्ष 2019, 2020 और 2021 में स्नातक करके पीएचडी करने वाले छात्रों की संख्या का डेटा राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) रैंकिंग के आवंटन में करेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से सभी कुलपतियों को पत्र लिखा गया है। आयोग सचिव प्रो. जैन ने लिखा है कि शोधगंगा पोर्टल पर एमफिल और पीएचडी थीसिस अपलोड करनी अनिवार्य हैं। हालांकि आयोग के बार-बार दिशा-निर्देशों के बाद भी कई उच्च शिक्षण संस्थानों ने अभी तक पीएचडी थीसिस अभी तक अपलोड नहीं की है। विश्वविद्यालयों को बताया जाता है कि नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 में पीएचडी डेटा यही से लिया जाना है। यदि कोई संस्थान इस निर्देश के बाद भी नियम का उल्लंघन करता है तो उनका नाम नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 से बाहर हो जाएगा। क्योंकि रैंकिंग के मानकों में परखने के लिए पीएचडी छात्रों का ब्यौरा और थीसिस नहीं होगी।

प्रामाणिक डाटा प्राप्त करने में सुविधा–आयोग का कहना है कि शोधकर्ताओं के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। आयोग ने बताया है, कि 2019 के बाद से कई संस्थानों ने थीसिस अपलोड नहीं किए है।

बिना वक्त गंवाएं हमें आज से ही देश के विकास में अपना योगदान देना होगा–पीएम मोदी

नइ दिल्ली। पीएम मोदी आज मन की बात की 84वीं कड़ी में देशवासियों से रूबरू हो रहे हैं। ये इस वर्ष मन की बात की आखिरी कड़ी है। मन की बात में उन्होंने ग्रुप कैप्टर वरुण सिंह का जिक्र किया। उनका निधन इसी माह कन्नूर में हुए हेलीकाप्टर हादसे के बाद अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच चली जंग के बाद हो गया था। इसी हादसे में देश ने पहले सीडीसी जनरल बिपिन रावत को खोया था। अपने संबोधन में उन्होंने वरुण सिंह के उस पत्र का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने अपनी कमजोरी और नाकामी का जिक्र करते हुए आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने और हार न मानने का जिक्र किया था।

विदेशी छात्रों ने गाया वंदे मातरम–पीएम मोदी ने इस मौके पर क्रिस के एक इंडियन स्कूल में पढ़ने वाले विदेशी छात्राओं द्वारा गाए गए वंदे मातरम का वीडियो भी दिखाया। उन्होंने कहा कि ये वीडियो देशवासियों को एक सुकून भी देता है। इसे सुनकर देखकर सभी को खुशी का अनुभव होता है। इस दौरान उन्होंने नीलेश का भी जिक्र किया जिन्होंने लखनऊ में हुए ड्रोन शो की प्रशंसा की थी।

दो लाख पुस्तकों वाली लाइब्रेरी

उन्होंने तेलंगाना के डाक्टर विठलाचारी का भी जिक्र किया। उन्होंने बड़ी लाइब्रेरी खोली। ये उनका बचपन का सपना था। आज इस लाइब्रेरी में दो लाख पुस्तक मौजूद हैं। उन्होंने अपनी सारी जमापूंजी इस लाइब्रेरी में लगा दी है। प्रधानमंत्री ने अपने इस संबोधन में बुक रीडिंग पर दिया। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वो अपनी पांच किताबों के बारे में उन्हें बताएं।

महाभारत से जुड़ा कोर्स

पौड़ी के चेलूसूण में महाभारत से रूबरू कराने के लिए कोर्स शुरू। इसको अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। आज दुनिया भारत को जानना चाहती है। इस दौरान उन्होंने सर्गी के एक व्यक्ति डाक्टर

निकीज का जिक्र किया जिन्होंने सर्गी लैंग्वेज से संस्कृत भाषा की डिक्शनरी की है। उन्होंने 70 वर्ष की आयु के बाद संस्कृत सीखी। इस दौरान उन्होंने मंगोलियन स्कोलर का भी जिक्र किया।

प्राचील कला को संजोने का काम

गोवा के सागरमूले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक छोटी सी कोशिश भी काफी अहम होती है। सागरमूले ने गोवा की प्राचील कला को संजोने का काम किया है। इस कला को लाल मिट्टी से बनाया जाता था। अरुणाचल में साल भर से एयरगन सरेंडर अभियान चलाया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे यहां पर पक्षियों का शिकार बंद किया जा सके। अरुणाचल प्रदेश में 500 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां रहती हैं जिनमें कुछ दुर्लभ भी हैं। इस अभियान के जरिए अब तक 1600 से अधिक एयरगन सरेंडर की जा चुकी हैं।

सफाई अभियान का जिक्र

एनसीसी कैडेट का सफाई अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें सैकड़ों कैडेट लगे हैं जो कचरे का न सिर्फ हटाते हैं बल्कि उसका रीसाइकिल करते हैं। इस दौरान उन्होंने कुछ युवाओं द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप प्रोग्राम का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि जबसे देश में डिजिटाइजेशन हुआ है तब से जंकयार्ड खत्म होते जा रहे हैं। इनका उपयोग दूसरी सुविधाओं के लिए किया जा रहा है। बता दें कि 3 अक्टूबर 2014 को पहली बार आल इंडिया रेडियो से मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण किया गया था। तब से लेकर आज तक हर माह प्रधानमंत्री इस संबोधन के जरिए देशवासियों से उनके विचार जानते हैं और अपनी बात सभी के सामने रखते आए हैं। मन की बात के जरिए पीएम मोदी उन लोगों को देशवासियों के सामने लाते रहे हैं जो अब तक पर्दे के पीछे अंजान बने रहे हैं। आज भी पीएम मोदी ने ऐसा ही किया। आज उनका ये संबोधन ऐसे समय में हो रहा है जब देश और विश्व एक बार फिर से कोरोना महामारी और उसके नए खतरे ओमिक्रोन वैरिएंट से दहशत में है। ब्रिटेन, फ्रांस में कोरोना के एक लाख से अधिक मामले सामने आए हैं तो वहीं अमेरिका में दो लाख से अधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दिसंबर 2019 में जिस महामारी की शुरुआत चीन के वुहान से शुरू हुई थी उससे आज भी दुनिया लड़ती दिखाई दे रही है।

मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा

कुरकुरे-नूडल्स फैक्ट्री में बॉयलर फटने से 10 की मौत, कई घायल

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक बड़ा हादसा हो गया है। यहां बेला औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को मोदी कुरकुरे और नूडल्स फैक्ट्री में बॉयलर फट गया। इससे 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। वहीं बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। आसपास की फैक्ट्रियों के लोगों के के भी घायल होने की सूचना है। मौके पर एसपी-डीएम सहित कई आला अधिकारी मौजूद हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकता है। बताया जा रहा है कि बॉयफर फटने का धमाका इतना तेज था कि 5 किलोमीटर तक इसकी आवाज सुनी गई। धमाके के कारण बगल की चूड़ा और आटा फैक्ट्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां पहुंची हैं। फिलहाल हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। हादसे के समय फैक्ट्री के अंदर कितने लोग काम रहे थे इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। राहत और बचाव का कार्य जारी है। इसी बीच ट्रैक्टरों से फैक्ट्री के गेट को बंद कर दिया गया है। आसपास के

लोगों ने बताया कि बॉयलर फटने से जोरदार आवाज हुई। इससे खिड़की और दरवाजे तक हिल गए। यहां काम करने वाले कर्मचारियों के परिजन अपनों को ढूंढ रहे हैं। वहीं प्रशासन के अधिकारी लोगों को अंदर जाने से रोक रहे हैं।

नई दवा करेगी ओमिक्रॉन पर अटैक, लग चुकी दो वैक्सीन से अलग होगी बूस्टर डोज़!

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार देर रात ऐलान किया कि गंभीर बीमारियों से ग्रसित और हेल्थ वर्करों को कोरोना वैक्सीन की जिस 'प्रिकॉशनरी डोज' लगाई जाएगी। अब खबर यह है कि यह प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो सकती है, जिसकी दोनों डोज लाभार्थी पहले ही ले चुके हैं। दरअसल, देश के कोविड टीकाकरण पर बने शीर्ष टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप में इस बात को लेकर सहमति है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग होनी चाहिए, जिसकी दोनों डोज पहले ली जा चुकी है। खबर के मुताबिक, वैक्सीन की तीसरी खुराक को बूस्टर की बजाय 'प्रिकॉशनरी डोज' कहे जाने के पीछे एक वजह यह भी है कि सभी विकल्प खुले रहें और तीसरी खुराक किसी और वैक्सीन की भी दी जा सके। खबर के मुताबिक, इसकी प्रबल संभावना है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो जिसकी दोनों डोज पहले ली गई हों। अगले कुछ महीनों में भारत के पास वैक्सीन के कई विकल्प होंगे। इस

दौड़ में सबसे आगे हैदराबाद के बायोलॉजिकल ई की बनाई कोरबावैक्स है, जो प्रोटीन सब-यूनिट कोविड-19 वैक्सीन है। केंद्र सरकार ने कोरबावैक्स की 30 करोड़ खुराकें रिजर्व रखने के लिए पहले ही 1500 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। सूत्रों की मानें तो अगले दो हफ्तों के अंदर कोरबावैक्स को आपात स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है। इसके अलावा प्रिकॉशनरी डोज के लिए जिस वैक्सीन को मंजूरी दी जा सकती है, उसमें सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की बनाई कोवावैक्स शामिल है। यह एक नैनोपार्टिकल प्रोटीन आधारित कोरोना वैक्सीन है। अमेरिका स्थित नोवावैक्स और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को फिलिपींस ने इमरजेंसी यूज की मंजूरी दे दी है। तीसरी डोज के लिए सरकार भारत बायोटेक की इंट्रानेजल वैक्सीन को भी मंजूरी दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक, यह वैक्सीन जनवरी के दूसरे पखवाड़े में आ सकती है। इसके अलावा भारत की पहली एम-आरएनए वैक्सीन को भी प्रिकॉशनरी डोज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस वैक्सीन को पुणे स्थित जेनोवा बायोफार्मासूटिकल्स ने विकसित किया है।

युवा होने पर शादी के लिए आजाद है मुस्लिम लड़की, हिंदू से शादी पर एचसी की टिप्पणी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक 17 वर्षीय मुस्लिम लड़की की याचिका स्वीकार करते हुए यह कहा कि युवा होने पर उसे अपनी मर्जी से शादी करने का अधिकार है। लड़की ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर हिंदू युवक से शादी की थी और कोर्ट से सुरक्षा देने की गुहार लगाई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि मुस्लिम लड़की युवा होने पर अपनी पसंद के लड़के से शादी कर सकती है और उसके माता-पिता को इसमें हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। खबर के मुताबिक, जस्टिस हरनरेश सिंह गिल ने कहा कि कानून में स्पष्ट है कि मुस्लिम लड़की की शादी मुस्लिम पर्सनल लॉ के जरिए होती है। सर दिनशाह फरदुनजी मुल्ला की पुस्तक 'प्रिंसिपल्स ऑफ मोहम्मडन लॉ' के अनुच्छेद 195 के मुताबिक, याचिकाकर्ता संख्या 1 (लड़की) 17 वर्ष की होने के कारण, अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ शादी करने के लिए सक्षम है। याचिकाकर्ता नंबर 2 (लड़की का साथी) की उम्र करीब 33 साल बताई जा रही है। ऐसे में, याचिकाकर्ता नंबर 1 मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार शादी करने योग्य उम्र की है। न्यायमूर्ति गिल ने कहा, 'अदालत इस तथ्य पर अपनी आंखें बंद नहीं कर सकती है कि याचिकाकर्ताओं की आशंकाओं को दूर करने की जरूरत है. केवल इसलिए कि

याचिकाकर्ताओं ने अपने परिवार के सदस्यों की इच्छा के विरुद्ध शादी कर ली है, उन्हें संविधान में परिकल्पित मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता है।' याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि मुस्लिम कानून के तहत यौवन और बहुमत एक समान हैं, और एक अनुमान है कि एक व्यक्ति 15 वर्ष की आयु में वयस्कता प्राप्त करता है।

चंपावत में अब दलितों ने ऊंची जाति के महिला के हाथ का बना खाने से किया मना

देहरादून। उत्तराखंड में चंपावत जिले के सूखीढांग इंटर कालेज में भोजन पकाने को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले एससी वर्ग की भोजन माता के हाथों बना खाना सवर्ण बच्चों ने बंद कर दिया था। अब इस विवाद में एक नया मोड़ आ गया है। अब सवर्ण भोजन माता के बनाए भोजन का एससी वर्ग के छात्र-छात्राओं ने बहिष्कार शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि 'जब एससी वर्ग की भोजन माता के हाथों का भोजन सामान्य वर्ग के विद्यार्थी नहीं खा सकते तो वह भी सवर्ण भोजन माता के हाथों का बना भोजन नहीं खाएंगे'। प्रधानाचार्य प्रेम सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि शुक्रवार को राजकीय इंटर कॉलेज सूखीढांग में कक्षा 6 से 8वीं तक के कुल 58 बच्चे पहुंचे। इस बीच जब विद्यालय प्रबंधन ने सभी बच्चों को एमडीएम में भोजन के लिए बुलाया तो एससी वर्ग के

बच्चों ने सवर्ण भोजन माता के हाथों बने भोजन को ग्रहण करने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि बच्चों को शिक्षकों ने समझाने की कोशिश की मगर वह अपनी बात पर अड़े रहे और खाने का बहिष्कार किया। प्रधानाचार्य के मुताबिक सभी एससी वर्ग के बच्चों ने सवर्ण भोजन माता के हाथों से बने खाने का विरोध किया है। उन्होंने घर से टिफिन लाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि 23 बच्चों ने जो कि एससी वर्ग के हैं, उन्होंने शुक्रवार को स्कूल में एमडीएम का खाना खाने से साफ मना कर दिया है। इधर, दो दिन पूर्व ही सीईओ आरसी पुरोहित ने जांच के दौरान नियुक्त हुई एससी वर्ग की भोजन माता सुनीता देवी को हटा दिया था और अग्रिम आदेश तक नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। इधर, अब एससी वर्ग के बच्चों के भोजन बहिष्कार के बाद विवाद फिर तूल पकड़ गया है। आपको बता दें कि इससे ठीक एक दिन पहले एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में मध्याह्न भोजन परोसने वाली दलित समुदाय की महिला को उसकी नौकरी से हटा दिया गया क्योंकि ऊंची जाति के छात्रों ने उसके द्वारा पकाया हुआ खाना खाने से इनकार कर दिया था। इस महीने की शुरुआत में भोजनमाता के रूप में नियुक्ति के एक दिन बाद छात्रों ने महिला की जाति के कारण उनके द्वारा बनाया गया खाना खाना बंद कर दिया और घर से अपना खाना टिफिन बॉक्स में लाना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि स्कूल के 66 छात्रों में से 40 ने दलित समुदाय की महिला द्वारा तैयार खाना खाने से मना कर दिया था। छात्रों के अभिभावकों ने भी भोजनमाता के रूप में दलित समुदाय की महिला की नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी क्योंकि उच्च जाति की एक महिला ने भी नौकरी के लिए इंटरव्यू दिया था।

मैंने यह नहीं कहा था, कृषि कानूनों को लेकर बयान से विवाद पर मंत्री नरेंद्र तोमर ने दी सफाई

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों पर अपने बयान से मचे बवाल के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अब सफाई पेश की है। कृषि तोमर ने कहाकि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। गौरतलब है कि कल नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान तोमर ने कृषि कानूनों के संबंध में बयान दिया था। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद कृषि कानूनों को वापस लाने की साजिश की आशंका जताई थी।

तोमर ने दिया स्पष्टीकरण

अपने ताजा बयान में कृषि मंत्री ने कहाकि मैंने यह कहा था कि सरकार ने एक बढ़िया कानून बनाया था। हमने कुछ वजहों से इस कानून को वापस ले लिया। नरेंद्र तोमर ने कहाकि मैंने कहा था कि सरकार आगे किसानों की बेहतरी के लिए काम करती रहेगी। उधर तोमर के बयान के बाद सियासी हलकों में जबर्दस्त प्रतिक्रिया हुई थी। कांग्रेस पार्टी ने तो इसे साजिश तक करार दे दिया था। गौरतलब है कि 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की बात कहते हुए किसानों से माफी मांगी थी। इसके बाद दोनों सदनों में प्रस्ताव पेशकर कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया था।

कृषि मंत्री ने यह कहा था

दरअसल, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानूनों को आजादी के बाद लाया गया एक बड़ा सुधार करार दिया था। साथ ही उन्होंने संकेत दिया था कि सरकार इन कानूनों को वापस ला सकती है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में आयोजित कृषि उद्योग प्रदर्शनी एग्रोविजन का उद्घाटन करने के बाद वह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश का आज भी अभाव है। हम कृषि सुधार कानून लेकर आए थे। कुछ लोगों को यह रास नहीं आया, लेकिन वह 70 वर्षों की आजादी के बाद एक बड़ा सुधार था, जो नरेंद्र मोदी की सरकार के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा था। उन्होंने आगे कहा था कि लेकिन सरकार निराश नहीं है। हम एक कदम पीछे हटे हैं, आगे फिर बढ़ेंगे। क्योंकि हिंदुस्तान का किसान हिंदुस्तान की रीढ़ की हड्डी है।

राहुल ने बताया था पीएम की माफी का अपमान

उधर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने तो तोमर के बयान को प्रधानमंत्री की माफी का अपमान करार दे दिया था। उन्होंने कहाकि सरकार के इस दिशा में आगे बढ़ने पर सत्याग्रह की चेतावनी तक दे डाली थी। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को पराजित कर उसे सबक सिखाने की लोगों से अपील की थी। तोमर की इस टिप्पणी पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि देश के कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री की माफी का अपमान किया है और यह बेहद निंदनीय है।

CMYK

सार समाचार

दिल्ली मेट्रो के सफलतम 20 साल, पहली नींव भरने की दुर्लभ तस्वीरों के साथ लगी प्रदर्शनी

नयी दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजधानी में नींव भरने के सबसे पहले काम की दुर्लभ तस्वीरें और अखबार की पुरानी कतरनें उन अभिलेखीय दस्तावेजों में शामिल हैं जिन्हें कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर स्थायी प्रदर्शनी के तौर पर लगाया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के उसकी सेवाओं के संचालन के 20 वर्ष पूरे होने के मौके पर 'ट्रेसिंग दिल्ली मेट्रो जर्नी' नाम से एक प्रदर्शनी शुरू की गयी है। डीएमआरसी ने 25 दिसंबर 2002 को अपना वाणिज्यिक संचालन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रेड लाइन पर शाहदरा से तीस हजारी तक 8.2 किलोमीटर लंबे पहले मार्ग का उद्घाटन किया था। अब डीएमआरसी का नेटवर्क करीब 392 किलोमीटर तक फैला है जिसके तहत 286 स्टेशन आते हैं। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मेट्रो के उद्घाटन के एक दिन बाद भीड़ इतनी 'ज्यादा' थी कि प्राधिकारियों को यात्रियों की भीड़ से निपटने के लिए 'पेपर टिकट' जारी करने पड़े थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो के करीब दो दशकों के इस सफर को प्रदर्शनी में दिखाया गया है। डीएमआरसी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'दिल्ली मेट्रो के पहले उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जिस शिलापट्ट का अनावरण किया गया था वह वहीं (प्रदर्शनी स्थल पर) है। डीएमआरसी इस स्थान का सेल्फी प्वाइंट के तौर पर भी प्रचार कर रही है जहां लोग आ सकते हैं और शहरी इतिहास का हिस्सा बन सकते हैं।'

दिल्ली में कोहरा छाया, मौसम विभाग ने हल्की बारिश का जताया अनुमान

नयी दिल्ली। दिल्ली में रविवार सुबह कई हिस्सों में हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर सुबह साढ़े आठ बजे 92 प्रतिशत दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। अधिकतम दृश्यता सुबह साढ़े आठ बजे 200 मीटर थी। मौसम कार्यालय ने रात तक हल्की बारिश और गरज के साथ छींटें पड़ने का अनुमान जताया है। शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 458 यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। फरीदाबाद में एक्यूआई 445 जबकि गाजियाबाद में 418, ग्रेटर नोएडा में 415, गुरुग्राम में 373 और नोएडा में 430 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' तथा 401 और 500 'गंभीर' माना जाता है।

देश में ओमीक्रोन के अब तक 422 मामले सामने आए

नयी दिल्ली। देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना वायरस के नये स्वरूप 'ओमीक्रोन' के अब तक 422 मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, ओमीक्रोन के सर्वाधिक 108 मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में 79, गुजरात में 43, तेलंगाना में 41, केरल में 38, तमिलनाडु में 34 और कर्नाटक में 31 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-10 के 6,987 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामले 3,47,86,802 हो गए हैं। इस दौरान 162 मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 4,79,682 हो गई है। पिछले 59 दिनों से कोरोना वायरस संक्रमण के दैनिक मामले लगातार 15,000 से कम रह रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 76,766 हो गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.22 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 266 घटी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर 98.40 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। वहीं, संक्रमण की दैनिक दर 0.74 प्रतिशत है। यह पिछले 83 दिनों से दो प्रतिशत से कम रही है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी 0.62 प्रतिशत दर्ज की गयी और यह पिछले 42 दिनों से एक प्रतिशत से कम बनी हुई है। इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,42,30,354 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.38 प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 141.37 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सरकारी बसों के प्रवेश पर रोक क्यों: पंजाब के मंत्री ने केजरीवाल से पूछा

अमृतसर। पंजाब के परिवहन मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि उनकी सरकार पंजाब की सरकारी बसों को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक क्यों नहीं जाने दे रही है। वडिंग ने यहां एक होटल के बाहर अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के दौरान आरोप लगाया कि निजी बसों को हालांकि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाने की अनुमति दी जा रही है, जो लगभग तीन गुना किराया लेती हैं। वडिंग ने केजरीवाल से कहा, 'राज्य परिवहन उपक्रम की वॉल्वो बसों को दिल्ली हवाई अड्डे तक जाने से रोक दिया गया है, जो प्रति यात्री केवल 1,200 रुपये ले रही हैं। दूसरी ओर, निजी बसों को अनुमति दे दी गई है और वे पंजाबियों को 3,000 से 3,500 रुपये प्रति यात्री वसूल कर खुलेआम लूट कर रही हैं। पंजाब के मंत्री विशेष रूप से एक प्रभावशाली परिवार द्वारा चलाई जाने वाली बसों का जिक्र कर रहे थे। वडिंग के कार्यालय से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ऐसा करके केजरीवाल पंजाब को लूटने वाले परिवहन माफिया का समर्थन कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को 13 पत्र लिखे गए, लेकिन वह इस मुद्दे से अनजान होने का नाटक कर रहे हैं। वडिंग ने केजरीवाल से कहा कि अगर वह दिल्ली हवाई अड्डे तक पंजाब सरकार की बसों की अनुमति नहीं देना चाहते हैं, तो दिल्ली सरकार हवाई अड्डे से पंजाब के लिए बसें चला सकती है और सीमावर्ती राज्य में कांग्रेस सरकार उन बसों की आवाजाही के लिए सुविधा प्रदान करेगी।

महाराष्ट्र के पालघर में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

पालघर (महाराष्ट्र) महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि भूकंप से जान-माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके सुबह पांच बजकर 35 मिनट पर महसूस हुए। गौरतलब है कि जिले में नवंबर 2018 से खासतौर पर तलासारी तालुका के दुंदलवाडी गांव और दहानू तालुका में भूकंप के झटके कई बार महसूस किए गए हैं।

कासगंज में सपा-बसपा पर बरसे अमित शाह, बोले- सर्व समाज को साथ लेकर केवल भाजपा ही बढ़ सकती है आगे

लखनऊ। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और बसपा जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां हैं और ये लोगों का भला नहीं कर सकती हैं। रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के बारह पत्थर मैदान में जनविश्वास यात्रा की जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा, प्रदेश के सभी छह क्षेत्रों में जन विश्वास यात्रा घूम रही है और राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों पर यह यात्रा जाने वाली है। मेरे पास कार्यकताओं की रिपोर्ट आती है कि जहां पर भी यात्रा गुजरती है, ऐसी ही भीड़ सब जगह होती है। शाह ने प्रश्न किया, उत्तर प्रदेश में ये बुआ (मायावती) और बबुआ (अखिलेश यादव) ने जो सरकारें चलाई, वह सभी का विकास करती थी क्या, सपा के राज में आपका भला होता था क्या, बसपा के राज में आपका भला होता था क्या।

उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वो नहीं कर सकते, ये जातिवादी पार्टियां हैं, ये परिवारवादी पार्टियां हैं, सर्व समाज को साथ लेकर केवल और केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ही आगे बढ़ सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को तीन सौ से अधिक सीटें दिलाने का नारा देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को याद किया। सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शाह ने कहा पार्टी ने यहां मेरे ढेर सारे फोटो बाबूजी (कल्याण सिंह) के साथ लगाए हैं, बाबूजी अगर मेरा मार्गदर्शन नहीं करते तो 2014 (लोकसभा), 2017 (विधानसभा) और 2019 (लोकसभा) की विजय संभव ही नहीं थी। भाजपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में राज्य विधानसभा की 403 सीटों में सहयोगियों समेत 325 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि लोकसभा में भी दोनों बार भाजपा ने जीत हासिल की।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शाह ने जोर देकर कहा, यह कल्याण सिंह ही थे जिन्होंने पहली बार उप्र के अंदर सुशासन की बात की।' उन्होंने कहा, जब मैं यहां आया हूं तो बाबूजी हमारे बीच नहीं है लेकिन जो भीड़ देखी है वह बताती है कि बाबूजी का स्मरण आप लोगों के मन में जस का तस है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की सराहना करते हुए शाह ने कहा, 2014 में मैं यहां प्रभारी बनकर आया तो यह बात आती थी कि सपा के गुंडे परेशान कर रहे हैं, तब कानून व्यवस्था इतनी खराब हो गई थी कि लोग अपनी बच्चियों को स्कूल और कालेज भेजने में कतरा रहे थे, लेकिन पांच साल में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार में सारे गुंडे पलायन कर गये। उन्होंने सपा सरकार में दंगे होने और

योगी राज में विकास होने का दावा करते हुए कहा कि अखिलेश जी (सपा प्रमुख) क्या देखकर वोट मांगने निकले हो, आपको राज्य की जनता जानती है, आपके पांच सालों में सात सौ से ज्यादा दंगे हुए थे लेकिन योगी जी के शासन में साढ़े चार साल में किसी की हिम्मत नहीं कि एक भी दंगा करे। उन्होंने कहा राम मंदिर निर्माण की मांग करने वालों पर डंडे बरसाए जाते थे, गोलियां चलवाई जाती थी लेकिन आपने पूर्ण बहुमत दे दिया तो मोदी ने राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का शिलान्यास कर दिया। देखते ही देखते कुछ ही महीनों में आकाश को छूने वाला प्रभु श्रीराम का मंदिर अयोध्या में बनने वाला है। शाह ने जनता से सवाल किया कि आप बताइए राम मंदिर निर्माण का विरोध करने वालों का आप साथ देंगे, निदोर्षों पर गोली चलाने वालों का साथ देंगे। जनसभा को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा सांसद राजवीर सिंह समेत कई प्रमुख वक्ताओं ने संबोधित किया।

फिर गमार्या कृषि कानून मुद्दा, राहुल बोले- केंद्रीय मंत्री ने किया मोदी जी की माफी का अपमान, अगर फिर बढ़े कदम तो होगा सत्याग्रह

नयी दिल्ली (एजेंसी)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले निरस्त किए गए विवादास्पद कृषि कानूनों का मुद्दा एक बार फिर से गरमाता हुआ दिखाई दे रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि कानूनों के विषय पर एक बयान दिया था। जिस पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर फिर से कृषि विरोधी कदम आगे बढ़ाए तो फिर से अन्नदाता सत्याग्रह होगा। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में लिखा कि देश के कृषि मंत्री ने मोदी जी की माफी का अपमान किया है- ये बेहद निंदनीय है। अगर फिर से कृषि विरोधी कदम आगे बढ़ाए तो फिर से अन्नदाता सत्याग्रह होगा- पहले भी अहंकार को हराया था, फिर हराएंगे!

कृषि मंत्री ने दिए यह संकेत

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवादास्पद कृषि कानूनों को आजादी के बाद लाया गया एक बड़ा सुधार करार दिया था। इस दौरान उन्होंने इसे फिर से लाने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश का आज भी अभाव है। हम कृषि सुधार कानून लेकर आए थे... कुछ लोगों को यह रास नहीं आया... लेकिन वह 70 वर्षों की आजादी के बाद एक बड़ा सुधार था, जो नरेंद्र मोदी की सरकार के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार निराश नहीं है। हम एक कदम पीछे हटे हैं, आगे फिर बढ़ेंगे। क्योंकि हिंदुस्तान का किसान हिंदुस्तान की रीढ़ की हड्डी है।

गौरतलब है कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ 40 से अधिक किसान संगठनों ने एक साल तक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया है। जिसको देखते हुए केंद्र सरकार ने अपना रुख बदला और शीतकालीन सत्र की शुरूआत के साथ ही विवादास्पद तीनों कानूनों को वापस ले लिया। सालभर चले आंदोलन में 700 से अधिक किसानों ने अपनी जान भी गंवा दी। हालांकि सभी किसान अपने घरों की तरफ वापस लौट चुके हैं।

केंद्र को कोविड-19 रोधी टीकों के बूस्टर खुराक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए: उमर

श्रीनगर (एजेंसी)

नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को देश भर में कोविड-19 रोधी टीकों के बूस्टर खुराक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। अब्दुल्ला की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा के बाद आयी है कि देश में स्वास्थ्य सेवा और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को 'एहतियाती खुराक' देने की शुरूआत 10 जनवरी से होगी। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, '15-18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए टीके की शुरूआत तीन जनवरी 2022 से शुरू होगी और अग्रिम मोर्चे पर लगे कर्मियों और अन्य बीमारियों

से पीडित 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को 10 जनवरी से बूस्टर या एहतियाती खुराक दी जाएगी। यह निर्णय जल्दी नहीं आया है।' उन्होंने कहा कि घोषणा के बाद अब सरकार को केवल टीकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनी है।

गुपकार गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है नेशनल कॉन्फ्रेंस, फारूक अब्दुल्ला ने दिया यह संकेत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी सांप्रदायिक शक्तियों को हराने के लिये जम्मू-कश्मीर का अगला विधानसभा चुनाव गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) में शामिल दलों के साथ मिलकर लड़ सकती है। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के पांच प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन पीएजीडी के अध्यक्ष हैं। इस गठबंधन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अलावा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), माकपा, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स मूवमेंट शाामिल हैं। पीएजीडी पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग करता है, जिसे अगस्त 2019 में समाप्त कर दिया गया था। अब्दुल्ला ने कश्मीर में हालात पर बात करते हुए दावा किया कि स्थिति 90 के दशक से भी अधिक बदतर है, जब जम्मू कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाना शुरू किया था। अब्दुल्ला ने इसका कारण बताते हुए कहा कि युवाओं को लगता है कि आधुनिक भारत में उनके लिये कोई स्थान नहीं है और वे दिल्ली में बैठी सरकार पर विश्वास खो चुके हैं। हाल में यहां पीटीआई- को दिये साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, ...मुझे यकीन है कि जब चुनाव आएंगे, तो हम विभाजनकारी तथा सांप्रदायिक शक्तियों को पराजित करने के लिये एक बार फिर साथ आएंगे। उन्होंने कहा कि आज हर मुसलमान, चाहे वह कश्मीर का हो या शेष भारत का, उसे बार-बार साबित करना पड़ता है कि वह एक राष्ट्रवादी है, जबकि उसके समुदाय के लोगों ने देश के लिये अपना खून दिया है। अब्दुल्ला ने कहा, मुझे लगता है कि यह त्रासदी है कि हर मुसलमान को, चाहे वह कश्मीर का हो या शेष भारत का, उसे बार-बार यह साबित करना पड़ता है कि वह एक राष्ट्रवादी है,वह एक भारतीय है। क्यों? दूसरों के साथ ऐसा क्यों नहीं है? वे हिंदुओं से क्यों नहीं पूछते, क्या आप भारतीय हैं? केवल मुसलमान ही क्यों, जिन्होंने इस देश के लिए खून दिया है और लगातार इस देश के लिए खून दे रहे हैं, हर जगह इस देश की रक्षा कर रहे हैं।

बूस्टर खुराक देने को लेकर प्रधानमंत्री की घोषणा से खुश हूं: केजरीवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को कोविड-19 निरोधक टीकों की बूस्टर खुराक देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई घोषणा पर शनिवार को प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह सभी लोगों को दी जानी चाहिए। केजरीवाल ने यह भी कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अब 15-18 वर्ष की आयु के बच्चों को भी कोविड-19 रोधी टीका दिया जाएगा। इस सप्ताह के शुरू में, केजरीवाल ने केंद्र से आग्रह किया था कि वे टीके की दोनों खुराक पहले से ही ले चुके व्यक्तियों को कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक देने की अनुमति दें। उन्होंने साथ ही कहा था कि दिल्ली सरकार के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने अग्रिम मोर्चे के

कर्मियों के लिए बूस्टर खुराक की घोषणा की। बूस्टर खुराक सभी को दी जानी चाहिए। इसके अलावा, 15-18 साल के बच्चों को अब टीका लगाया जाएगा, यह सुखद बात है।' दिल्ली में, लक्षित 1.48 करोड़ लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की एक खुराक दे दी गई है, जबकि 70 प्रतिशत ने दोनों खुराक ली है।

कोविड टीकाकरण कार्यक्रम पर फिर से लड़खड़ा रही सरकार: चिदंबरम

नयी दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार कोविड टीकाकरण कार्यक्रम पर फिर से लड़खड़ा रही है और बूस्टर खुराक की अनुमति नहीं देने सहित इसकी 'विफलताओं' से लोगों को 'बहुत नुकसान' होगा। सरकार की टीका रणनीति की कांग्रेस आलोचना करती रही है और उसने मांग की है कि टीकाकरण में तेजी लाई जाए तथा कोरोना वायरस की एक और लहर को रोकने के लिए बूस्टर खुराक दी जाए। चिदंबरम ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार टीकाकरण कार्यक्रम पर फिर से लड़खड़ा रही है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण की पहली और दूसरी खुराक के बीच 12-16 सप्ताह का अंतराल निर्धारित करने का मूल निर्णय गलत था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से इस वजह से लिया गया क्योंकि आपूर्ति की कमी थी। चिदंबरम ने कहा, यह निर्णय आज भी कायम है, भले ही हमारे पास लाखों खुराक अप्रयुक्त पड़ी हैं। पहले के गलत निर्णय को बनाए रखने का निर्णय दोगुना गलत है। उन्होंने कहा कि दूसरी खुराक (वर्तमान में 50 प्रतिशत) प्राप्त करने वाली वयस्क आबादी के प्रतिशत में वृद्धि करने में सरकार की अक्षमता एक और गंभीर विफलता है। चिदंबरम ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि तीसरी गलती उन लोगों के लिए बूस्टर खुराक की अनुमति नहीं देने की है जो अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों की तरह संवेदनशील हैं।

आखिर क्यों बनाई जा रही ब्रह्मोस मिसाइल ? राजनाथ बोले- ताकि कोई भारत की तरफ बुरी नजर उठाकर देखने की जुर्रत न करे

लखनऊ। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम ब्रह्मोस इसलिए बनाना चाहते हैं ताकि दुनिया का कोई देश भारत पर बुरी नजर उठाकर देखने की जुर्रत न कर सके। रक्षामंत्री सिंह ने रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र तथा ब्रह्मोस विनिर्माण केंद्र के शिलान्यास के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम ब्रह्मोस मिसाइल बना रहे हैं, रक्षा के दूसरे उपकरण और हथियार बना रहे हैं तो दुनिया के किसी देश पर आक्रमण करने के लिए नहीं बना रहे हैं। सिंह ने कहा, हम तो हिंदुस्तान की धरती पर ब्रह्मोस इसलिए बनाना चाहते हैं कि भारत के पास कम से कम ऐसी ताकत हो कि दुनिया का कोई देश भारत की तरफ बुरी नजर उठाकर देखने की जुर्रत न करे।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, मैं उरी और पुलवामा की घटना की आपको याद दिलाना चाहता हूं, एक हमारा पड़ोसी देश है ...जिससे पुलवामा में जिस प्रकार की आतंकवादी वारदात को अंजाम दिया, उसके बाद हमारे प्रधानमंत्री ने फैसला लिया और हमने उस देश की धरती पर जाकर आतंकवादियों का सफाया किया। राजनाथ ने जोर देकर कहा कि एयर स्ट्राइक में भी हमने कामयाबी हासिल की थी, हमने यह संदेश दे दिया कि अगर कोई हमपर बुरी नजर उठाकर देखेगा तो हम सीमा पार करके भी कार्रवाई कर सकते हैं, यह भारत की ताकत है। रक्षा मंत्री ने रक्षा परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, आज दोनों इकाइयों का यहां शिलान्यास हो रहा है। यह हमारे देश की सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। साथ ही रक्षा उत्पादन इकाई क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक विशेष स्थान बनाने में यह कामयाब होगा।'

उन्होंने कहा, इनसे यहां के लोगों को रोजगार भी हासिल होगा और उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। 'राजनाथ सिंह ने रक्षा वैज्ञानिकों और अभियंताओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और कहा, मैने कल्पना नहीं की थी कि छह आठ, दस माह में भी भूमि अधिग्रहण हो पाएगा लेकिन मुख्यमंत्री जी ने डेढ़ माह में इस परियोजना के लिए दो सौ एक-ड़ जमीन उपलब्ध कराई है। उन्होंने माफियाओं के दमन के लिए योगी की तारीफ करते हुए कहा कि हर काम में योगी जी दरियादिली दिखाते, लेकिन एक काम में कंजूसी करते हैं, ये माफियाओं के मामले में जरा भी रियायत नहीं देते। सभी जगह बुलडोजर चल रहे हैं, इस समय बल्ले बल्ले है लेकिन अपराधियों की नहीं बल्कि बुलडोजर वालों की है। इसी का परिणाम है कि भारत के ही नहीं दुनिया के निवेशक उत्तर प्रदेश में अपना पैसा निवेश करने आ रहे हैं।

उन्होंने प्रसिद्ध मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि लखनऊ में ही अब ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी और नये नये अनुसंधान यहां पर होंगे और भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हमेशा दुनिया को मैत्री और शांति का संदेश दिया है लेकिन हमारी मैत्री, करुणा का संदेश मानवता के कल्याण को ध्यान में रखकर है। इसका मतलब नहीं कि हम अपने देश की 135 करोड़ जनता की सुरक्षा पर किसी भी प्रकार की आंच आने दें।

योगी ने कहा कि विगत साढ़े सात वर्ष के अंदर केंद्र सरकार द्वारा किये गये ऑपरेशन को देखा होगा और हर व्यक्ति इस बात को मानता है कि ये नया भारत है, छेड़ता नहीं है लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, ब्रह्मोस का उत्पादन लखनऊ में हो तो लखनऊ अब केवल इस बात के लिए नहीं होगा कि मुस्कुराइये आप लखनऊ में हैं बल्कि लखनऊ अब दुश्मन देश के लिए दहाड़ने की बात भी कर सकता है। यहां बनने वाली मिसाइल न केवल रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बनेगी बल्कि भारत की सुरक्षा पंक्ति को और सुदृढ़

करने और युवाओं के रोजगार के लिए भी एक बेहतरीन माध्यम बनेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद कौशल किशोर तथा राज्य सरकार के कई मंत्री और विधायक तथा रक्षा सचिव मौजूद थे।

सार समाचार

नस्ली समानता के लिए संघर्ष करने वाले डेसमंड टूटू का हुआ निधन, 90 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में नस्ली न्याय और एलजीबीटी अधिकारों के संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले सक्रिय कार्यकर्ता एवं केप टाउन के सेवानिवृत्त एंग्लिकन आर्चबिशप डेसमंड टूटू का निधन हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने रविवार को यह जानकारी दी। टूटू 90 वर्ष के थे। रंगभेद के कट्टर विरोधी, काले लोगों के दमन वाले दक्षिण अफ्रीका के क्रूर शासन के खात्मे के लिए टूटू ने अहिंसक रूप से अथक प्रयास किए। उत्साही और मुखर पादरी ने जोहानिसबर्ग के पहले काले बिशप और बाद में केप टाउन के आर्चबिशप के रूप में अपने उपदेश-मंच का इस्तेमाल किया और साथ ही घर तथा विश्व स्तर पर नस्ली असमानता के खिलाफ जनता की राय को मजबूत करने के लिए लगातार सार्वजनिक प्रदर्शन किया।

गोपनीय रिपोर्ट लीक होने पर क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मांगी पुलिस से मदद

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने रविवार को कहा कि एक 'जाने पहचाने' खिलाड़ी के कथित तौर पर नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने की गोपनीय रिपोर्ट मीडिया में लीक होने के बाद उसने पुलिस से मदद मांगी है। 'द ऐज' समाचार पत्र में रविवार को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि उसे एक महिला और क्रिकेट आस्ट्रेलिया के पूर्व 'इंटीग्रिटी' प्रमुख सीन कैरोल के बीच फोन पर बातचीत की रिकॉर्डिंग मिली है, जिसमें इस महिला ने आरोप लगाया है कि एक खिलाड़ी कोकीन का इस्तेमाल कर रहा था और बालकनी में नग्न होकर कई महिलाओं के साथ नृत्य कर रहा था। इस महिला ने खुद को उच्च श्रेणी की 'एस्कार्ट' बताया था। हॉकले ने पूर्व खिलाड़ी पर लगे आरोपों को निराधार करार दिया। हॉकले ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने आज सुबह रिपोर्ट देखी। यह रिपोर्ट निराधार हैं। गोपनीय जानकारी को किसी भी तरह से चुराना अपराध है। हमने पुलिस को इस बारे में सूचित किया है और हम विक्टोरिया पुलिस की मदद ले रहे हैं।' मेलबर्न के दैनिक समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि रिकॉर्डिंग गुमनाम पते से 'एन्क्रिप्टेड' (कूट रूप में) ईमेल के जरिये समाचार पत्र को भेजी गयी है। इस रिकार्डिंग को लीक करने वाले ने व्यक्ति ने स्वयं को क्रिकेट आस्ट्रेलिया का पूर्व कर्मचारी बताया है जो 'इंटीग्रिटी यूनिट' की कमियों को उजागर करना चाहता है। कैरोल ने एक साल पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया को छोड़ दिया था।

उड़ानें रद्द होने के चलते किरकिरा हुआ छुट्टियों का मजा, विमानन कंपनियों ने कही यह अहम बात

न्यूयॉर्क। अमेरिका में साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने शनिवार को भी सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया। एयरलाइन्स ने इसके पीछे कोविड-19 के कारण स्टाफ की कमी को वजह बताया है। उड़ानों की गतिविधि की निगरानी करने वाली वेबसाइट, फ्लाइटअवेयर, ने बताया कि शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। फ्लाइटअवेयर ने उड़ानों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं किया। डेल्टा, यूनाइटेड और जेटब्लू सभी ने शुक्रवार को कहा था कि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा कि स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा। उन्होंने ओमीक्रोन के चलते कर्मचारियों की कमी के बारे में कहा, यह अप्रत्याशित थाह्व। डेल्टा और जेटब्लू से शनिवार तक जवाब प्राप्त नहीं हो सके।

पूर्वी कांगो के एक रेस्त्रां में हुआ आत्मघाती हमला, 6 लोगों की हुई मौत, जान बचाने के लिए सड़कों पर भागे लोग

बेनी। अफ्रीकी देश कांगो में क्रिसमस पर एक आत्मघाती हमलावर ने एक रेस्तरां सह बार में हमला किया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। बम विस्फोट के बाद इलाके में भारी गोलीबारी भी हुई, जिससे घबराए लोग जान बचाने के लिए सकड़ों पर दौड़ पड़े। नार्थ किवू के गवर्नर के प्रवक्ता गेन सायवेन इकेंगे ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावर को भीड़-भाड़ वाले बार में जाने से रोका तो उसने बार के प्रवेश द्वार पर ही खुद को विस्फोट कर उड़ा लिया। उन्होंने एक बयान में कहा, 'हम लोगों से सतर्क रहने और छुट्टियों के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने का अनुरोध करते हैं। शहर में और बेनी क्षेत्र में, इन दिनों यह पता लगाना मुश्किल है कि कौन क्या है।' एक प्रत्यक्षदर्शी राचेल मगाली ने बताया कि वह अपनी रिश्तेदार के साथ उक्त स्थान पर तीन घंटे से थीं, तभीबाहर तेज धमाके की आवाज हुई। उन्होंने कहा, 'अचानक हमने बार के इर्द-गिर्द काला धुआं देखा और लोग रोने एवं चिल्लाने लगे। हम बाहर की ओर भागे, जहां हमने लोगों को जमीन पर पड़े देखा। हरे रंग की प्लास्टिक की कुर्सियां यहां-वहां बिखरी थीं और कई शवों के सिर और हाथ धड़ से दूर पड़े थे। सब कुछ बेहद भयावह था।' मेयर नारसिसे ने बताया कि मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घटना में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा, 'इस आतंकवादी हमले के साजिशकताओं का पता लगाया जा रहा है।' गौरतलब है कि इस इलाके में आईएस आतंकवादी सक्रिय हैं और जून में भी बेनी इलाके में हुए दो विस्फोट की जिम्मेदारी आईएस के आतंकवादियों ने ली थी।

मनुष्यों के संग पले-बढ़े चिंपैंजी के बच्चे को अन्य चिंपैंजियों ने पीट-पीटकर मार डाला

केन्या। एक चिंपैंजी के बच्चे को मनुष्यों की परवरिश का खमियाजा अपनी जान गवांकर देना पड़ा। बताया जा रहा है कि जिस चिंपैंजी की मौत हुई है, उसे इंसानों ने पाला था। उसे ईरान से केन्या इसलिए भेजा गया था, जिससे वो अन्य चिंपैंजियों और जानवरों के साथ रहना सीख ले उसका विकास भी दूसरे चिंपैंजियों की तरह हो सके। लेकिन किसी को भी इस बात का अहसास बिल्कुल भी नहीं था कि ऐसा हादसा होगा। इस घटना के बाद से हर कोई बेहद दुखी है। केन्या पहुंचने पर उसने 90 दिन का क्वारनटीन पूरा कर लिया था। धीरे-धीरे वो अन्य जानवरों के बीच घुलना मिलना सीख रहा था। बताया जा रहा है कि बैरन नाम की इस चिंपैंजी अपने इलाके से बाहर निकल गई और अन्य चिंपैंजियों के बीच पहुंच गई। जहां उस पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से हर कोई हैरान है। बैरन की तबियत ठीक नहीं थी तभी उसे ईरान से कैन्या भेजा गया था। जहां पर वो अन्य जानवरों के साथ रहना सीख ले और जल्दी ठीक हो जाए। बैरन को इंसानों ने इसलिए पाला था क्योंकि वह समय से पहले पैदा हुई थी और उसकी मां ने उसे छोड़ दिया था। पशु चिकित्सक बैरन को अपने साथ ले गए और उसे बड़ा किया। बैरन को छोड़ने का फैसला इसलिए लिया गया था जब उन्हें यह लगने लागा था कि अब उसे माता-पिता के पास छोड़ देना चाहिए। इमान मेमेरियन ने बताया कि बैरन को पहले उसकी मां ने छोड़ दिया फिर धीरे-धीरे दूसरे चिंपैंजियों ने भी उसका साथ छोड़ दिया। जिसकी वजह से उसे पशु चिकित्सकों ने पाला और अपने हाथ से खाना खिलाया।

फ्रेंच गुएना से नासा से एरियन 5 राकेट दागा गया। इसमें नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप लगा था।

ओमिक्रॉन के कारण उड़ानें रद्द होने के कारण बेमजा हुई छुट्टियां

-विमानन कंपनियों ने स्टाफ की कमी कारण बताया

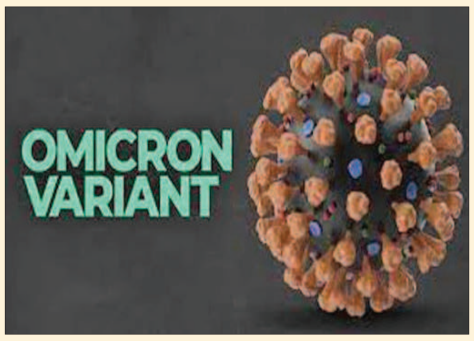

न्यूयॉर्क । अमेरिका में क्रिसमस की छुट्टियों को कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का ग्रहण लग गया। दरअसल, साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया। एयरलाइन्स ने इसके पीछे कोविड-19 के कारण स्टाफ की कमी को वजह बताया है। उड़ानों की गतिविधि की निगरानी करने वाली वेबसाइट ने बताया कि शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। फ्लाइटअवेयर ने उड़ानों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं किया।

डेल्टा, यूनाइटेड और जेटब्लू सभी ने शुक्रवार को कहा था कि ओमिक्रॉन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा कि स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा। उन्होंने ओमीक्रोन के चलते कर्मचारियों की कमी के बारे में कहा, यह अप्रत्याशित था। डेल्टा और जेटब्लू से शनिवार तक जवाब प्राप्त नहीं हो सके।

ओमीक्रोन संभवतः कम खतरनाक है: दक्षिण अफ्रीकी अध्ययन

ओमीक्रोन की पहचान सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में ही की गई थी

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)

कोरोना का नया स्वरूप ओमीक्रोन वायरस के पहले स्वरूपों से कम गंभीर प्रभाव वाला लगता है। दक्षिण अफ्रीका में एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। ओमीक्रोन स्वरूप की पहचान सबसे पहले पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में ही की गई थी और इसके प्रभाव को लेकर व्यापक स्तर पर अध्ययन किया जा रहा है। विटवाटर्सरैंड विश्वविद्यालय में महामारी विज्ञान की प्रोफेसर, शेरिल कोहिन ने नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज (एनआईसीडी) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन वार्ता में दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन स्वरूप की गंभीरता का प्रारंभिक आकलन' शीर्षक वाले एक अध्ययन के परिणाम साझा किए। कोहिन ने कहा, उप-सहारा अफ्रीकी क्षेत्र के अन्य देशों में स्थिति कमोबेश समान रह सकती है, जहां पिछले स्वरूपों का खतरनाक असर देखने को मिला था। उन्होंने कहा कि उन देशों में स्थिति समान नहीं हो सकती है, जहां पिछले स्वरूपों का असर काफी कम रहा था और टीकाकरण की दर अधिक है। एनआईसीडी की जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ वासीला जस्सत ने इस बात को स्पष्ट किया कि कैसे 'ओमीक्रोन' स्वरूप की वजह से आई वैश्विक महामारी की चौथी लहर, पिछली लहर से अधिक खतरनाक नहीं है। उन्होंने कहा, चौथी लहर में, पहले चार सप्ताह में संक्रमण के मामले काफी अधिक आए। पिछली लहर की तुलना में 3,66,000 से अधिक मामले सामने आए। जस्सत ने बताया कि चौथी लहर में केवल छह प्रतिशत मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पिछली लहरों में 16 प्रतिशत मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जस्सत ने कहा, इसका मतलब है कि मामले अधिक थे, लेकिन अधिक मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की नौबत नहीं आई। पिछली लहरों की तुलना में इस बार अस्पताल में भर्ती कराए गए मरीजों की दर काफी कम थी। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से संक्रमित हुए मरीजों की दर भी पहले की तुलना में कम थी। चौथी लहर में छह प्रतिशत मरीजों की मौत संक्रमण से हुई, जबकि 'डेल्टा' स्वरूप के कारण आई पिछली लहर में करीब 22 प्रतिशत मरीजों की जान गई थी। जस्सत ने बताया कि अधिकतर मरीज औसतन तीन दिन ही अस्पताल में भर्ती रहे।

पाक अदालत के कृपाण पर फैसले के बाद बीजेपी ने लिखा खत, इमरान सरकार से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने शनिवार को पाकिस्तानी कोर्ट के आदेश को पलटने के लिए इमरान सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की। हाल ही के दिनों में पेशावर हाई कोर्ट ने कृपाण और चाकू ले जाने के लिए सिख समुदाय के लोगों को लाइसेंस रखने का आदेश दिया है। सिख समुदाय के लोगों की मांग है कि कृपाण को हथियार की श्रेणी में न रखा जाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने पाकिस्तान उच्चायुक्त को पत्र लिखा। जिसमें कहा, 'पेशावर उच्च न्यायालय ने कृपाण साहिब के संबंध में एक आदेश जारी किया और 2012 की शस्त्र नीति के तहत लाइसेंस के साथ (कृपाण) श्री साहिब के कब्जे की अनुमति दी, जो दुनियाभर के सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा है।' एक सिख युवक ने आरपी सिंह के पत्र की सराहना करते हुए मामले में पाकिस्तान सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। कहा है कि हाई कोर्ट के इस आदेश को पलट दे ताकि पाकिस्तान में सिख समुदाय को दुनिया भर में समान धार्मिक स्वतंत्रता का हक मिले। युवक ने कहा कि कृपाण सिख समुदाय के लोगों के लिए एक अनिवार्य वस्तु है। भाजपा नेता ने उच्चायुक्त को लिखा है, 'आपके देश पाकिस्तान में घटते अल्पसंख्यक सिख समुदाय के लोगों के धार्मिक अधिकारों और आस्था के इस महत्वपूर्ण मामले में आपसे तत्काल हस्तक्षेप की मांग की जाती है।'

शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन में अचानक बढ़े कोरोना के मामले, स्वास्थ्य आयोग ने बताया आंकड़ा

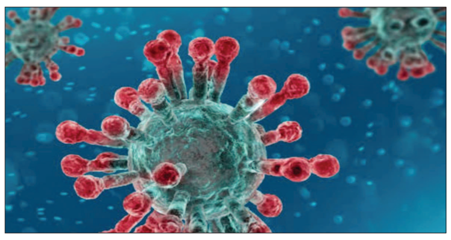

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन में अगले साल फरवरी में आयोजित होने वाले बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले कोरोना वायरस के मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। देश में कोविड-19 के 206 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 158 स्थानीय स्तर पर संक्रमण के मामले हैं। देश के स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि कोरोना वायरस के नए मामलों में से 157 मामले शानक्सी और एक मामला गुआंग्शी प्रांत में सामने आया। देश में 2022 में चार फरवरी से 20 फरवरी तक बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन होना है। इससे पहले मामलों में बढ़ोतरी ने चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी संक्रमण को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। चीनी अधिकारियों ने ओमीक्रोन से संक्रमण के पहले मामले की जानकारी 13 दिसंबर को दी थी। यह मामला तियानजिन शहर में सामने आया था। इसके बाद देश में ओमीक्रोन संक्रमण के कई मामले सामने आए। आयोग ने बताया कि चीन में संक्रमण के 2,011 उपचाराधीन मामले है, जिनमें से नौ की हालत गंभीर है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई और 76 मरीजों को शनिवार को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। चीन में अभी तक संक्रमण के 1,01,077 मामले सामने आए हैं और 4,636 लोगों की इससे मौत हो चुकी है।

फ्रांस में कोरोना का कोहराम, 24 घंटे में मिले एक लाख संक्रमित

ब्रिटेन के बाद फ्रांस में भी कोरोना की नई लहर का कहर

पेरिस (एजेंसी)

कोरोना का संक्रमण फिर यूरोप के देशों में तेजी से फैल रहा है। ब्रिटेन के बाद फ्रांस में भी कोरोना की नई लहर देखने को मिली है। फ्रांस में एक दिन में रिकार्ड एक लाख चार हजार 6 सौ ग्यारह नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले यहां 94,124 नए मामले आए थे। कोरोना से शनिवार को यहां 84 लोगों की मौत हुई। फ्रांस में कोरोना की नई लहर के लिए ओमिक्रॉन को जिम्मेदार माना जा रहा है। एक साथ इतने लोगों के संक्रमित होने से अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है। इनमें अधिकतर ऐसे लोग हैं जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया था। फ्रांस में कोरोना के 16 हजार से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 3300 मरीज गंभीर हैं। फांस में अब तक कोरोना ने 1,22,500 से अधिक लोगों की जान ली है। ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिया है। उन्होंने देश में फैले कोरोना वायरस पर चर्चा के लिए सोमवार को स्वास्थ्य रक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। सरकार के प्रवक्ता गेब्रियल अट्टल ने कहा है कि सरकार एक ऐसी प्रणाली को अपनाने का इरादा रखती है, जिसमें लोगों को जनवरी की शुरूआत में बार, रेस्तरां और सांस्कृतिक स्थलों में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह से टीकाकरण की आवश्यकता हो, ताकि कोरोना के प्रसार को धीमा करने में मदद मिल सके। गौरतलब है कि फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ओलिविियर वेरन ने इस सप्ताह की शुरूआत में भविष्यवाणी की थी कि क्रिसमस से नए साल के दिन की अवधि के दौरान फ्रांस में ओमिक्रॉन से अधिक लोग संक्रमित होने लगेंगे। दूसरी ओर ब्रिटेन और इटली में भी ओमिक्रॉन का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ब्रिटेन में सप्ताह भर में लगातार एक दिन के भीतर औसतन 1.20 लाख से ज्यादा नए मामले मिले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी को आशंका है कि अगले सप्ताह हर 10वां शख्स संक्रमित हो सकता है। अमेरिका में कोरोना मामलों की औसत संख्या 45 फीसद बढ़कर 1.79 लाख प्रतिदिन हो गई है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान के बीच बाड़बंदी विवाद सुलझा : अधिकारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)

अफगानिस्तान में पाकिस्तान और तालिबान अधिकारियों ने हाल में सीमा पर बाड़बंदी को लेकर हुए विवाद को इस बात पर सहमति जताते हुए सुलझा लिया है कि इस परियोजना पर आगे का काम आम सहमति से किया जाएगा, जिसके कारण तनावपूर्ण स्थिति पैदा हुई थी।

मीडिया में आई खबरों में शनिवार को यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को मामले की पृष्ठभूमि में पत्रकारों के एक समूह से बात करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उच्च स्तर पर यह तय किया गया है कि भविष्य में बाड़ से जुड़े मुद्दों को आपसी सहमति से निपटाया जाएगा। डान अखबार की खबर के अनुसार अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि बुधवार की घटना के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान सरकार के बीच किस स्तर पर बातचीत हुई। बुधवार को तालिबान लड़ाकों ने सीमा पर बाड़ लगाने के काम को बाधित किया और कांटेदार तार को अपने साथ ले गए थे। तालिबान लड़ाकों ने उसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों को बाड़बंदी शुरू न करने को लेकर चेतावनी दी थी। खबर में कहा गया कि इस घटना के बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। बाद में दोनों पक्षों के रक्षा मंत्रालयों ने इस मुद्दे पर बात की थी। इस बातचीत में तालिबान के सीमा व कबायली मामलों के मंत्रालय ने भी कथित तौर पर हिस्सा लिया था। अधिकारी ने कहा कि तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब ने बुधवार को इलाके का दौरा किया और स्थिति को सामान्य किया। उन्होंने कहा, 'विवाद को चुपचाप और शांतिपूर्वक सुलझा लिया गया है।'

क्रिसमस के मौके पर बोले पोप फ्रांसिस, महामारी के दौरान महिलाओं के खिलाफ बढ़ी हिंसा

रोम। (एजेंसी)

पोप फ्रांसिस ने क्रिसमस के मौके पर शनिवार को कोरोना वायरस के खात्मे की प्रार्थना की। पोप ने सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल, गरीबों के लिए टीका और दुनिया में चल रहे टकरावों के समाधान के लिए वार्ता का आग्रह किया। इटली में इस हफ्ते कोविड-19 के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बीच, फ्रांसिस के क्रिसमिस के मौके पर होने वाले वार्षिक 'उरबी एट ओरबी' (शहर और दुनिया के लिए) संबोधन के लिए सेंट पीटर स्क्वायर पर चंद हजार लोग ही जुटे। आमतौर पर हजारों लोगों की भीड़ उन्हें सुनने आती थी। पिछले साल क्रिसमस के मौके पर इटली में लॉकडाउन लगा हुआ था। इस वजह से फ्रांसिस को अपना संबोधन टीवी के माध्यम से देना पड़ा था।

बहरहाल, इस हफ्ते इटली में एक दिन में 50,000 से ज्यादा मामले आए थे। सरकार ने अबतक लॉकडाउन लगाने के आदेश नहीं दिए हैं। पोप ने क्रिसमस के दिन दिए जाने वाले अपने संबोधन के जरिए दुनिया के छोटे-बड़े टकरावों की ओर विश्व का ध्यान दिलाया। फ्रांसिस ने सीरिया, यमन और इराकमें चल रहे संघर्ष पर तथा यूक्रेन और इथोपिया पर उपजे नए तनाव तथा लेबनान में 'अप्रत्याशित संकट' पर दुख जताया। उन्होंने कहा, 'हम इन संघर्षों के इतने आदि हो गए हैं कि इतनी त्रादसी के होने के बावजूद, इसपर कोई बात नहीं की जाती है। हम अपने इतने सारे भाइयों और बहनों के दर्द और संकट को सुनने का जोखिम नहीं उठाते हैं।'

फ्रांसिस ने महामारी के वापस आने और पृथक करने की प्रवृत्ति को लेकर चेताया और आग्रह किया कि दुनिया को टकराव के हल की कोशिश बातचीत के जरिए करनी चाहिए। उन्होंने खासकर वायरस से प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की जिनमें महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं जिन्होंने लॉकडाउन के दौरान उत्पीड़न का सामना किया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ी है और कि दंबगई और दुर्व्यवहार से पीड़ित बच्चों और किशोरों के लिए उम्मीद व्यक्त की। पोप ने अकेले रहने वाले बुजुर्गों के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भी प्रार्थना की जो बीमारों की देखभाल के लिए खुद को समर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा, 'दुर्बलों को स्वास्थ्य मिले और सभी पुरुषों और महिलाओं को मौजूदा स्वास्थ्य संकट और उसके प्रभावों को दूर करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया जाए।' पोप ने कहा, 'जरूरी चिकित्सकीय देखभाल सुनिश्चित करने के लिए दिलों को खोलें, खासकर, टीके के लिए और यह उन्हें दें जिसकी इसे सबसे ज्यादा जरूरत है।' फ्रांस ने 'मिडनाइट मास' (आधी रात की प्रार्थना सभा) के बाद अपना भाषण दिया। प्रार्थना सभा में करीब 2,000 लोग उपस्थित रहे। सेंट पीटर्स की क्षमता के मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। प्रार्थना स्थानीय समयनुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू हुई।

सुविचार मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है। - प्रेमचंद

संपादकीय

हंगामी सत्र

यह विडंबना ही है कि संसद के मानसून सत्र के बाद शीतकालीन सत्र भी समय से पहले खत्म हो गया। सत्र शुरू होते ही मानसून सत्र में हंगामे के लिये राज्यसभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के बारह सदस्यों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने के बाद जो टकराव उत्पन्न हुआ, वह आखिर तक चलता रहा। सत्र के आखिरी दिनों में तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन के निलंबन के बाद विवाद ज्यादा ही तूल पकड़ गया। लखीमपुर खीरीकांड में गृह राज्यमंत्री को हटाये जाने के मुद्दे पर विपक्ष खासा आक्रामक रहा। अंततः इस विवाद के बीच सत्र समय से पहले ही समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। इस हंगामेदार सत्र में लोकसभा के लिये निर्धारित समय में से 24 दिनों में 18 बैठकों के माध्यम से 83 घंटे और 12 मिनट का काम हुआ, जबकि 18 घंटे व 48 मिनट का नुकसान हुआ। वहीं राज्यसभा के लिये निर्धारित 95 घंटे और छह मिनट की निर्धारित बैठक के समय में सदन में केवल 45 घंटे और 34 मिनट में कार्य निर्वहन किया गया। जहां यह सत्र तूफानी और असामान्य रूप से टकराव वाला था, वहीं सरकार ने इसे अपनी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने व्यवधान डालकर बिना बहस के कृषि कानूनों को निरस्त तथा विधेयकों को पारित करने का अलोकतांत्रिक काम किया। पहले ही दिन बारह सांसदों के निलंबन को वे सरकार की रणनीति का हिस्सा बताते रहे। यह विडंबना ही है कि विश्वास बहाली व टकराव टालने की गंभीर कोशिश होती नजर नहीं आई। वहीं विपक्ष को सदन के बहिष्कार के बजाय तीखे प्रश्नों व आपत्तियों के जरिये गंभीर विमर्श में भाग लेना चाहिए। देश के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को भी गंभीर तैयारी करके सदन में आना चाहिए ताकि विधेयकों के गुण-दोषों पर गहन मंथन हो सके। वहीं संसद में सांसदों की उपस्थिति को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। बहरहाल, चुनाव सुधार विधेयक के जल्दबाजी में पारित होने से इस महत्वपूर्ण विधेयक से जुड़े कई सवाल अभी बरकरार हैं। नागरिकों की निजता व डेटा सुरक्षा से जुड़े कई सवालों पर विमर्श की मांग विपक्ष लगातार करता रहा। वहीं युवतियों की शादी की उम्र बढ़ाने के विधेयक पर कई सवाल विभिन्न राजनीतिक दलों व वर्गों द्वारा उठाये जा रहे थे। संसद की स्थायी समिति को सौंपने के चलते अभी इस विधेयक पर विमर्श की गुंजाइश बची है। वहीं लखीमपुर खीरीकांड में गिरफ्तार आशीष मिश्रा के खिलाफ लगी धाराओं को एसआईटी की रिपोर्ट के बाद गंभीर धाराओं में बदलने के बाद विपक्ष लगातार गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को हटाये जाने की मांग करता रहा। लेकिन सत्तापक्ष ने मुद्दे को अनसुना कर दिया। बहरहाल, संसद के विभिन्न सत्रों में हंगामे, निलंबन, सत्र बहिष्कार के चलते कामकाज ठप्प होने को भारतीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कतई नहीं कहा जा सकता। देश के करदाताओं की मेहनत के पैसे का सत्र के विधिवत न चलने से व्यर्थ जाना निस्संदेह चिंता का विषय है। यह भी विडंबना है कि शीतकालीन व मानसून सत्र के दौरान उठे विवाद को खत्म करने की गंभीर पहल होती नजर नहीं आई। पीठासीन अधिकारियों की व्यवस्था बनाये रखने की अपील को विपक्षी नेताओं ने अनसुना किया। बार-बार के हंगामे व व्यवधान के चलते राज्यसभा में सिर्फ 48 फीसदी काम होना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। बेहतर होता कि इस सत्र के दौरान पारित 11 विधेयकों पर गंभीर विमर्श होता ताकि वे देशहित के व्यापक लक्ष्यों को पूरा कर पाते। लेकिन विडंबना है कि धीर-गंभीर पहल के बिना शीतकालीन सत्र समय से पहले समाप्त हो गया। बहरहाल, विपक्ष को आत्ममंथन करना चाहिए कि रूलबुक फेंकना, मेजों पर चढ़ना, कागज फाड़कर फेंकना व सुरक्षाकर्मियों से धक्का-मुक्की क्या संसदीय परंपरा का हिस्सा है?

काली कमाई के ठिकानों पर कसे शिकंजा

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में संसद में बताया गया है कि पनामा तथा पैराडाइज पेपर लीक मामले में भारत से संबद्ध 930 इकाइयों के संबंध में 20,353 करोड़ रुपये की राशि के कुल अघोषित जमा का पता चला है। बच्चन परिवार से जुड़ी कथित अनियमितताओं के कई मामले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। 'इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स' (आईसीआईजे) द्वारा खुलासा किए गए मामलों में की गई निरंतर जांच से अब तक अघोषित विदेशी खातों में 11,010 करोड़ रुपये से अधिक जमा का पता चला है। बच्चन परिवार की बहू ऐश्वर्या राय से 20 दिसंबर को ईडी ने पनामा पेपर्स के मामले में चल रही जांच के सिलसिले में पूछताछ की है। जहां पनामा पेपर्स और पैराडाइज पेपर्स के खुलासे होने पर केंद्र सरकार द्वारा देश की मशहूर हस्तियों की विदेश में गुप्त वित्तीय संपत्तियों की विस्तृत जानकारी हेतु बहु-एजेंसी जांच कराई जा रही है, वहीं अक्तूबर, 2021 से पैंडोरा पेपर्स के संबंध में मल्टी एजेंसी ग्रुप (एमएजी) ने अपनी बैठकें लगातार आयोजित करके जांच शुरू कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के प्रमुख जेबी महापात्रा की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रिजर्व बैंक और वित्तीय इंटेलीजेंस यूनिट के अधिकारी शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में 'इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स' द्वारा अक्तूबर, 2021 की शुरुआत में प्रकाशित पैंडोरा पेपर्स रिपोर्ट लगभग 1.2 करोड़ दस्तावेज़ों की एक ऐसी पड़ताल है, जिसे 117 देशों के 600 खोजी पत्रकारों की मदद से तैयार किया गया है। इस पड़ताल में पाया गया है कि भारत सहित दुनियाभर के 200 से ज्यादा देशों के बड़े नेताओं, अरबपतियों और मशहूर हस्तियों ने विदेशों में धन बचाने और अपने कालेधन के गोपनीय निवेश के लिए किस तरह टैक्स पनाहगाह देशों ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, सेशेल्स, हांगकांग और बेलीज आदि में छुपाकर सुरक्षित किया हुआ है। इस रिपोर्ट में 300 से अधिक भारतीयों के नाम भी शामिल हैं। इनमें अनिल अंबानी, विनोद अडाणी, सचिन तेंदुलकर, जैकी श्राफ, करण मजूमदार, नीरा राडिया, सतीश शर्मा आदि शामिल हैं। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2017 में पैराडाइज़ पेपर्स के तहत 1.34 करोड़ से अधिक गोपनीय इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के माध्यम से 70 लाख लोन समझौते, वित्तीय विवरण, ई-मेल और ट्रस्ट डीड लीक किये थे। इनमें 714 भारतीयों के नाम उजागर हुए थे। इसके पहले वर्ष 2016 में पनामा पेपर्स के तहत 1 करोड़ 15 लाख संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज लीक किये थे। इसमें वैश्विक कॉरपोरेटों के 'मनी लॉन्डरिंग' के रिकॉर्ड थे। 500 भारतीयों के नाम भी सामने आए थे। ये विभिन्न लीक फ़ाइलें बताती हैं कि कैसे दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग अपनी संपत्ति छिपाने के लिए टैक्स हैवन्स देशों में स्थित शैल कंपनियों का इस्तेमाल करते हैं। टैक्स हैवन देश वे होते हैं, जहां नकली कंपनियां बनाना आसान होता है और बहुत कम टैक्स या शून्य टैक्स लगता है। इन देशों में ऐसे क़ानून होते हैं, जिससे कंपनी के मालिक की पहचान का पता लगा पाना मुश्किल हो। टैक्स हैवन देशों की शैल कंपनियों में विश्व की कई ऊंची हस्तियां अपना कालाधन जमा करती हैं। वस्तुतः कालाधन वह धन होता है, जिस पर आयकर की देनदारी होती है, लेकिन उसकी जानकारी सरकार को नहीं दी जाती है। कालाधन का स्रोत कानूनी और गैर-कानूनी कोई भी हो सकता है। आपराधिक गतिविधियां जैसे अपहरण, तस्करी, निजी क्षेत्र में कार्यरत लोगों द्वारा की गई जालसाजी इत्यादि के माध्यम से अर्जित धन भी कालाधन कहलाता है। ड्रग ट्रेड, अवैध हथियारों का व्यापार, जबरन वसूली का पैसा, फिरौती और साइबर अपराध से कमाया गया पैसा भी शेल कम्पनियों में सुरक्षित कर दिया जाता है, ताकि यह कालाधन अपने देश में सफेद धन में बदल जाए। स्पष्ट है कि भ्रष्ट राजनेताओं से लेकर, नौकरशाह, व्यापारिक घराने और अपराधी तक अपने कालेधन को हवाला ट्रांसफर के जरिये टैक्स हैवन्स देशों में आराम से रख सकते हैं, इस तरह से वे बेईमानी से कमाया धन छिपाकर टैक्स से बच जाते हैं। दुनिया के प्रसिद्ध गैर लाभकारी संगठन ऑक्सफेम इंडिया की नई रिपोर्ट के मुताबिक टैक्स चोरी की पनाहगाहों के इस्तेमाल से दुनियाभर में सरकारों को हर साल 427 अरब डॉलर के टैक्स का घाटा होता है। सबसे ज्यादा असर विकासशील देशों पर होता है। विकासशील देशों से बेइमानी का पैसा बाहर जाने की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है और इसका विकास पर असर हो रहा है। यह समाज के लिए हानिकारक है। विदेशों में गोपनीय रूप से धन छुपाकर रखे जाने का सीधा असर आम आदमी के कल्याण पर भी पड़ता है। निश्चित रूप से पैंडोरा, पनामा और पैराडाइज पेपर्स लीक जैसे मामलों में कई मशहूर भारतीयों के नाम उजागर होने से कालेधन को देश के बाहर भेजे जाने की कहानियां सामने आ जाती हैं। साथ ही गोपनीय रूप से धन विदेशों में भेजे जाने की रफ्तार बढ़ रही है। अर्थ-विशेषज्ञ आर. वैद्यनाथन ने अनुमान लगाया है कि इसकी मात्रा करीब 72.8 लाख करोड़ रु. है। स्विस नेशनल बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 तक स्विस बैंकों में भारतीय नागरिकों और कंपनियों का जमा धन 20,700 करोड़ रुपए से अधिक है। नेशनल काउंसिल ऑफ़ अप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च के मुताबिक साल 1980 से 2010 के बीच भारत के बाहर जमा होने वाला काला धन 384 अरब डॉलर से लेकर 490 अरब डॉलर के बीच था। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश में भी कालेधन से निपटने के लिए अब से पहले इनकम डिक्लेयरेशन स्कीम, वॉलंटयरी डिस्क्लोज़र स्कीम, टैक्स रेट को कम करना, 1991 के बाद व्यापार पर कंट्रोल हटाना, क़ानूनों में बदलाव जैसे कई कदम उठाए गए हैं। ऐसे विधान बनाए गए हैं जो कर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की अनुमति देते हैं कि करदाता कर चोरी नहीं करें। इसमें 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) की व्यवस्था जोड़ी गई, जिसमें किसी विशेष क्षेत्र में लेनदेन करने वालों को अपनी पूरी पहचान बतानी होती है ताकि दूसरे कार्यक्षेत्रों के साथ उस सूचना को साझा किया जा सके। लेकिन ऐसे विभिन्न प्रयासों के बावजूद कालेधन की बढ़ोतरी और देश से कालेधन को विदेश भेजे जाने की मात्रा में कोई प्रभावी कमी नहीं आई है। विदेशी बैंकों में जमा कालेधन के खाताधारकों की सूची मिलने की खबर मात्र को बड़ी सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता है। सफलता तभी मानी जाएगी जब विदेशों में जमा अधिकांश कालाधन सरकारी खातों में वापस आ जाएगा। अब पनामा पेपर्स, पैराडाइज पेपर्स और पैंडोरा पेपर्स लीक मामले में जांच का सामान्य रूटीन नहीं रहना चाहिए। चूंकि ये मामले प्रभावशाली सामाजिक व वित्तीय अभिजात्य वर्ग से संबंध रखते हैं, अतएव जांच संबंधी कार्रवाई कठोर होनी चाहिए। ऐसे में अब विभिन्न देशों की सरकारों को एकीकृत रूप से मशहूर हस्तियों के द्वारा टैक्स हैवन्स देशों में निवेशित की जा रही काली संपत्तियों के वैश्विक कर चोरी के ठिकानों को समाप्त करने के लिए आगे बढ़ना होगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

उपेक्षा की उस टीस ने न्यू जर्सी तक पहुंचा दिया

नन्फू वांग, चीनी फिल्म निर्माता

वह साल 1985 था। चीनी प्रांत जियांगशी के सुदूर गांव वांग में एक युवा दंपति (किन्हुआ व जाओदी वांग) अपने घर नन्हे मेहमान का इंतजार कर रहा था। सामाजिक परिवेश और रूढ़ियों ने उन्हें बेटे की चाहत से बांध रखा था। बेटे के रूप में उन्हें परिवार के लिए एक सहारा चाहिए था, क्योंकि उन दिनों सरकारी हुक्मनामा था कि चीनी दंपति एक से अधिक संतान पैदा न करें। बहरहाल, जब बेटी पैदा हुई, तो माता-पिता ने उसका नाम नन्फू रखा। मंदारिन में 'नन' का अर्थ होता है पुरुष, और 'फू' यानी स्तंभ! स्थानीय अफसरों को जब नन्फू के पैदा होने की खबर लगी, तो वे फौरन किन्हुआ-जाओदी के घर पहुंचे और जाओदी के बंध्याकरण का हुक्म सुना दिया। लेकिन नन्फू के दादा को खानदान का नाम आगे ले जाने के लिए पोता चाहिए था। उन्होंने अधिकारियों से काफी मिन्नतें कीं। दूसरे बच्चे की अनुमति तो मिल गई, मगर इसके लिए किन्हुआ और जाओदी को पांच साल के इंतजार के साथ-साथ भारी जुर्माना भरना पड़ा। उम्र के हर बीतते पड़ाव के साथ नन्फू पर एक शर्मिंदगी तारी होती गई कि उनके परिवार ने कुछ गलत किया है, क्योंकि आसपास हरेक दंपति को एक ही संतान थी। हालांकि, उन्हें नहीं मालूम हो रहा था कि उनके अंदर यह शर्म या अपराध-बोध कहां से आया! जाहिर है, वह कच्ची उम्र थी, इस बोध को समझने के लिए। नन्फू के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। पिता बचपन से ही दिल के मरीज थे, इसलिए उच्च शिक्षा से वंचित कर दिए गए थे, क्योंकि चीन में सत्तर के दशक में यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को शारीरिक फिटनेस की परीक्षा भी पास करनी पड़ती थी। मां जाओदी छोटे बच्चों को मंदारिन पढ़ाती थीं, मगर इसके लिए उन्हें इतने भी पैसे नहीं मिलते कि वे एक सामान्य जिंदगी जी पाते। ऊपर से दूसरी संतान के लिए भारी जुर्माने ने और पस्त कर दिया था। बेटे के जन्म के बाद नन्फू के पिता ने कुछ अतिरिक्त कमाई के इरादे से कर्ज लेकर चूजे पालने का काम शुरू किया था। मगर 34 साल की उम्र में हृदयाघात ने उन्हें परिवार के लिए कुछ करने का मौका ही नहीं दिया। पिता की मृत्यु के समय नन्फू सिर्फ 11 वर्ष की थीं। इस घटना ने उन्हें बुरी तरह आहत किया था। उन्हें नींद ही नहीं आती थी, मां भी हताशा की शिकार हो चुकी थीं। महीनों लगे उन्हें इससे उबरने में। नन्फू की मां अब दो बच्चों की फीस भरने की स्थिति में नहीं रहीं, इसलिए उन्होंने फैसला किया कि बेटी को हाईस्कूल के बजाय किसी टेक्निकल स्कूल भेजा जाए, ताकि वह जल्द से जल्द कुछ कमाने लायक बन सके। मां के फैसले से नन्फू दुखी तो थीं, मगर वह एक आज्ञाकारी बेटी थीं। उन्होंने अंग्रेजी भाषा के साथ सामान्य शिक्षक का प्रशिक्षण हासिल किया। छोटी उम्र में उन्हें अपने एक रिश्तेदार की दुकान पर सेल्सगर्ल का काम करना पड़ा। कुछ समय बाद फेंगचेंग शहर में नन्फू को अंग्रेजी शिक्षिका की नौकरी मिल गई। फिर उन्होंने शंघाई यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की डिग्री भी हासिल की। उन्हें एक प्रशासनिक पद का प्रस्ताव भी मिला, शंघाई जैसे महानगर में घर के साथ। मगर नन्फू के भीतर कुछ ऐसा था, जो वर्षों से खदबदा रहा था। लड़की होने के कारण परिवार और व्यवस्था से जो उपेक्षा उन्हें मिली, वह उनको मंजूर न था। उस पीड़ा को वह बड़े फलक पर जाहिर करना चाहती थीं, मगर चीनी मीडिया के जरिये यह संभव न था। नन्फू ने 14 अमेरिकी यूनिवर्सिटियों में दाखिले के लिए आवेदन किया। ओहायो यूनिवर्सिटी ने फुल स्कॉलरशिप के साथ उन्हें मीडिया में मास्टर्स डिग्री का प्रस्ताव दिया। 26 साल की लड़की पहली बार चीन से बाहर निकली, अंग्रेजी फिल्में देखी, कैमरा पकड़ा। अब वह खुदमुख्तार थीं। चीन के एक प्राइमरी स्कूल के बच्चों के यौन शोषण पर वह एक फिल्म बना रही थीं, हूलिगन स्पैरो। पर बीजिंग में बैठे अफसरों के कान खड़े हो गए। उन्होंने नन्फू को तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया। पर उनका एक मित्र इस सबको गोपनीय रूप से रिकॉर्ड करता गया। देखते-देखते नन्फू खुद इस फिल्म की एक किरदार बन गईं। इस फिल्म को प्रतिष्ठित जॉर्ज पोल्क अवॉर्ड मिला। नन्फू चीन की 'एक बच्चे की नीति' के स्याह पहलू से दुनिया को अवगत कराना चाहती थीं, इसके लिए उन्होंने वन चाइल्ड नेशन डॉक्यूमेंटरी बनाई। इस फिल्म के सिलसिले में उन्होंने एक 84 वर्षीया दाई से पूछा, अपने करियर में आपने कितने बच्चे पैदा कराए होंगे? दाई को इसके आंकड़े तो याद नहीं थे, अलबत्ता यह जरूर बताया कि वह 60 हजार जबरिया गर्भपात या बंध्याकरण करा चुकी हैं। कई बार गर्भपात सफल नहीं होता, तो जन्म के बाद नवजात को उसे मारना पड़ता। जाहिर है, बीजिंग की निगाह में वह विलेन हैं, मगर इस मार्मिक डॉक्यूमेंटरी ने नन्फू को कई इनाम दिलाए। अब वह न्यू जर्सी में रहती हैं। बीबीसी ने उन्हें इस वर्ष दुनिया की 100 प्रेरक महिलाओं में शामिल किया है।

प्रस्तुतिः चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टून

धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संसार में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, ताओ, कन्फ्यूशियस, जैन, बौद्ध, यहूदी आदि विभिन्न नामों से प्रचलित धर्म-सम्प्रदायों पर दृष्टिपात करने से यही पता चलता है कि उनके बाह्यस्वरूप एवं क्रिया-कृत्यों में जमीन-आसमान जितना अंतर है। यह अंतर होना उचित भी है, क्योंकि जिस वातावरण, जिन परिस्थितियों में वे पनपे और फैले है, उनकी छाप उन पर पड़ना स्वाभाविक है। मनीषी, अवतारी, महामानवों ने देश काल, परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठता-संवर्धन एवं निकृष्टता-निवारण के लिए जो सिद्धान्त एवं आचार शास्त्र विनिर्मित किए, कालान्तर में वे ही धर्म-सम्प्रदायों के नाम से पुकारे जाने लगे। इस कारण उनके बाह्य कलेवर में विविधता होना स्वाभाविक है। फिर भी, जहां तक मौलिक सिद्धान्तों की बात है, वह सभी तथाकथित धर्मो में एक ही है। सभी ने एक सार्वभौम सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करना, मानव का अंतिम लक्ष्य स्वीकार किया है। सभी प्रचलित धर्मो में 'प्रार्थना' को किसी न किसी रूप में स्वीकार किया एवं अपने दैनिक क्रिया-कृत्यों में सम्मिलित किया गया है। अमेरिका के विख्यात साइक्रियेटिस्ट डॉ. बिल के अनुसार-'कोई भी व्यक्ति, जो वास्तव में धार्मिक है, मनोरोगों का शिकार नहीं हो सकता।' मनःचिकित्सकों एवं मनोविश्लेषकों ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है कि धार्मिक कर्मकाण्डों में जो प्रार्थना की जाती है। प्रसिद्ध विचारक डेल कारनेगी ने लिखा है- 'जीवन की जटिलताओं और विषमताओं से संघर्ष करके सफलता पाने में कोई भी व्यक्ति अकेले समर्थ नहीं है, आस्था और विश्वास के साथ इस संघर्ष में विजय प्राप्त करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाए।' मौलाना रूम ने कहा है- 'रूह की दोस्ती इल्म और ईमान से है, उसके लिए हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि में कोई फर्क नहीं है।' प्रसिद्ध ईसाई धर्मोपदेशक जस्टिन ने कहा है- 'जितनी भी श्रेष्ठ विचारणाएं हैं, वे चाहे किसी भी देश या धर्म की हों, सब मनुष्यों के लिए ईश्वरीय निर्देश की तरह हैं।' शिव महिमा में उल्लेख है-जिस प्रकार बहुत सी नदियां भिन्न-भिन्न प्रकार से घूमकर अंततः समुद्र में ही जाकर गिरती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार अलग-अलग धर्म, पंथों से चलकर उसी एक ईश्वर तक पहुंचते हैं। इंजील ने लिखा है- 'मनुष्य के नथुनों में जितने ास आते हैं, उतने ही ईश्वर तक पहुंचने के रास्ते हैं।'

सू-दोकू नवताल - 2001

	3	1		5		2	6	7
	5		6					
		7		1	8	3		
3				4	2	9	7	
		5		7		6		
	2	8	3	9				5
		2	1	8		4		
					5		9	
6	9	4		2		5	8	

सू-दोकू -2000 का हल

1	2	6	5	3	8	9	4	7
8	9	3	4	2	7	5	1	6
5	7	4	1	6	9	3	8	2
3	5	9	6	1	2	8	7	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
7	4	1	3	8	5	2	6	9
4	3	2	8	5	6	7	9	1
9	8	7	2	4	1	6	5	3
6	1	5	7	9	3	4	2	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2001

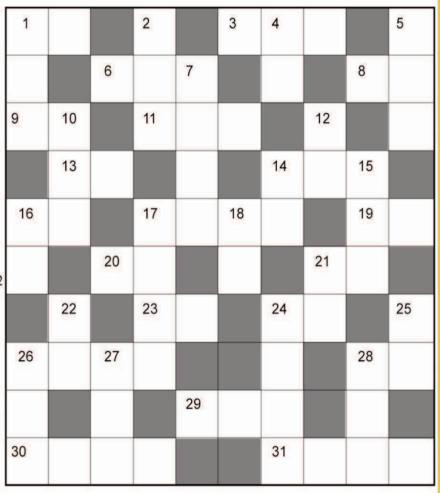

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, डिंपल कपाड़िया की 'झूठ बोले कौआ काटे' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. बी.आर. चोपड़ा की बहु सितारा फिल्म 'वक्त' के संगीत निर्देशक कौन थे-2
11. नायक अनिलकपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय देवगन, मनीषा, अविनाश वधावन, करिश्मा की फिल्म-4
19. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. 'समय तू जल्दी जल्दी चल' गीत वाली राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की फिल्म-2
26. 'बाबूजी धीरे चलना' गीत वाली गुरु दत्त, शकीला, श्यामा की फिल्म-2,2
28. आफताब, उर्मिला की 'रुकी- रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. सुनील दत्त, आशापारेख की फिल्म-3
30. 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'डोली सजा के रखना' के संगीत निर्देशक कौन हैं ?-4

ऊपर से नीचे:-

1. जे. पी. दत्ता की 'ऐ जाते हुए लम्हों' गीत वाली एक मल्टी स्टार फिल्म-3
2. फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता की फिल्म-3
4. 'इतनी शक्तिहमें देना दाता' गीत वाली जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. सुनील दत्त, वैजयंती माला की 'औरत ने जनम दिया मर्दों को' गीत वाली फिल्म-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. रामगोपाल वर्मा की मनोज वाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक सस्पेंस फिल्म-2
14. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन अभिनीत फिल्म-3
16. बलराज साहनी, पंढरी बाई, नंदा की 'टाई लगा के बन गए जनाब हीरो हीरो' गीतवाली फिल्म-2
17. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिये' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. अमिताभ बच्चन, नूतन, पद्मा खन्ना की 'तेरा मेरा साथ रहे ' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन है ?-3

फिल्म वर्ग पहेली-2000

आ	जा	द		सं	घ	र्ष		प्या	सा
क्रो		स	त्या		र		दी		थी
श	र्मि	ला		ज		कुं	वा	रा	
		ख	ट्टा	मी	ठा		ना	गि	न
उ	षा			न		जू		नी	
त्स		जा	ल		श	ही	द		आं
व	च	न		जी	त		स	ला	खें
	र		सु		रं	भा		वा	
अ	स	रा	नी		ज		वा	रि	स
क्स		नी	ल	म		मां		स	

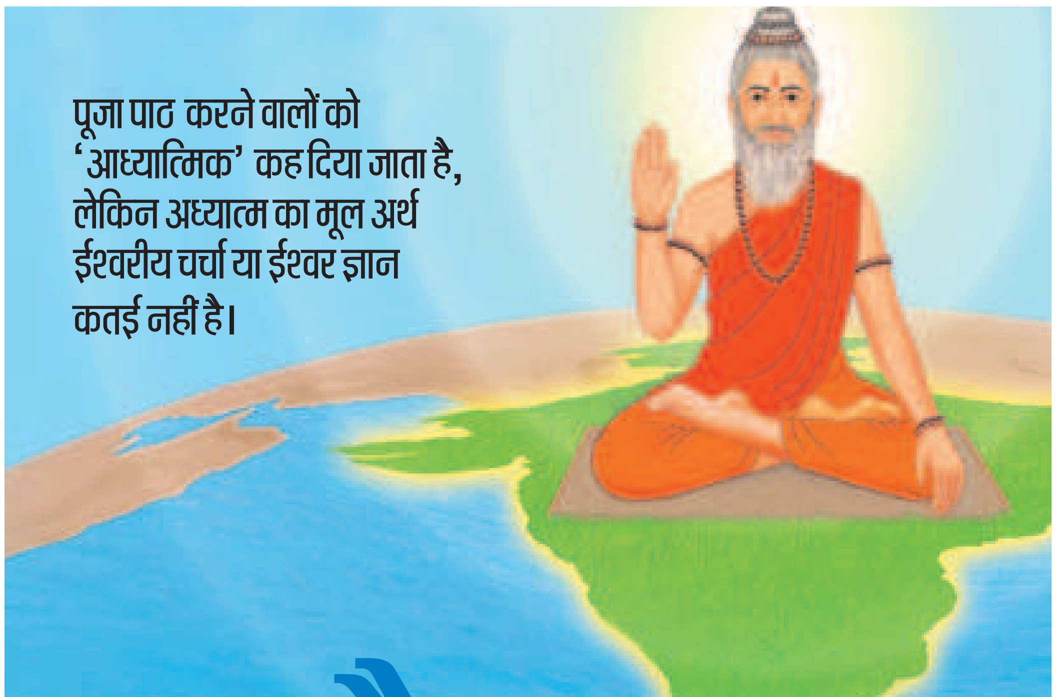

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरुषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं ।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्‌गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत: प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत: अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत: अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन: जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

एयरटेल पैमेंट्स बैंक का सितंबर तिमाही में एक अरब से अधिक लेनदेन

नई दिल्ली: भुगतान बैंक के रूप में एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 2021-22 की सितंबर तिमाही में एक अरब लेनदेन का मुकाम पार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि ग्राहकों के बीच डिजिटल भुगतान को अधिक प्राथमिकता दिए जाने से एयरटेल पैमेंट्स बैंक के लेनदेन में भी इजाफा हुआ है। कंपनी ने प्रति तिमाही एक अरब लेनदेन का मुकाम पार कर लिया है। यह बैंक के 'डिजिटल फर्स्ट' मॉडल और 5,00,000 से अधिक बैंकिंग पॉइंट के वितरण के जरिए हुई वृद्धि का नतीजा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रत्येक तिमाही में लेनदेन में 61 फीसदी की वृद्धि हुई है। बैंक अपने डिजिटल बैंकिंग समाधान के तहत उपभोक्ताओं को वीडियो केवाईसी के माध्यम से पांच मिनट के भीतर बैंक खाता खोलने की सुविधा देता है। इस भुगतान बैंक के देश भर में 11.5 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 16 करोड़ डॉलर घटकर 635.67 अरब डॉलर पर

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 17 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 16करोड़ डॉलर घटकर 635.67 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले सप्ताह यह 7.7 करोड़ डॉलर घटकर 635.83 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 17 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 64.5 करोड़ डॉलर घटकर 572.21 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान हालांकि स्वर्ण भंडार 4725 करोड़ डॉलर बढ़कर 39.18 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 19.08 अरब डॉलर पर स्थिर रहा और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 90 लाख डॉलर बढ़कर 5.17 अरब डॉलर पर रहा।

वन प्लस यूजर्स ओप्पो के सेल्स सर्विस सेंटर्स तक पहुंच बना सकेंगे

बीजिंग। चीन में स्मार्टफोन ब्रांड वनप्लस के यूजर्स 1 जनवरी से ओप्पो के ऑफ्टर -सेल्स सर्विस सेंटर्स का लाभ उठा सकेंगे। गिज्मोचाइना के अनुसार, वनप्लस सर्विस ने वनप्लस कम्युनिटी के माध्यम से घोषणा की है कि वनप्लस चीन का ऑफलाइन ऑफ्टर सेल्स और सर्विस बिजनेस 1 जनवरी, 2022 से ओवरऑल बिजनेस माइग्रेशन को पूरा करेगा। इसके लिए, वनप्लस यूजर्स देश भर में लगभग 1,000 ओप्पो आधिकारिक अधिकृत सेवा केंद्रों से बिक्री के बाद की सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कंपनी ने खुलासा किया कि वनप्लस के यूजर्स हर महीने के 16-18 से कुल प्रवास के बाद बिक्री के बाद सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कंपनी का कहना है कि इससे ग्राहकों को ईजी और फास्ट सर्विस मिल सकेगी। साथ ही, ऑपरेटिंग सिस्टम के उत्पाद स्तर पर विलय होता है। वन प्लस ने ओप्पो के कलरओएस के पक्ष में ऑक्सीजन ओएस को छोड़ दिया है। इसके अलावा, जानकारी के अनुसार, वनप्लस के अनुसंधान और विकास विभाग को भी ओप्पो के आरएंडडी विभाग के साथ मिला दिया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है। हालांकि, यह अभी भी एक अलग विभाग है, संपूर्ण आर एंड डी स्ट्रक्टर के परिप्रेक्ष्य से, इसकी सभी आर एंड डी प्रोजेक्ट्स को भी संयुक्त आर एंड डी टीम द्वारा समन्वित किया जाएगा।

बढ़ते वैश्विक कोविड मामले पूंजी प्रवाह को प्रभावित करेंगे, मुद्रास्फीति बढ़ाएंगे: इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च

नई दिल्ली।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर कोविड के बढ़ते मामलों से पूंजी प्रवाह प्रभावित होने के साथ-साथ मुद्रास्फीति बढ़ने की भी संभावना है। एजेंसी ने कहा कि एक तीसरी कोविड लहर से संबंधित अनिश्चितता ने पहले ही इक्विटी बाजारों में संकेत दिखाना शुरू कर दिया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नवंबर 2021 में भारतीय बाजारों में 103 अरब रुपये के शुद्ध विक्रेता थे, जबकि महीने के दौरान कर्ज में शुद्ध बिकवाली 27 अरब रुपये रही। एजेंसी ने अपनी क्रेडिट मार्केट ट्रैकर रिपोर्ट में कहा, कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वैश्विक मुद्रास्फीति के दबाव और कोविड-19 के उच्च जोखिम को लेकर चिंताएं हैं। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने इसके अलावा, कहा कि क्रमिक लॉकडाउन के कारण समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और विशेष रूप से तब, जब घरेलू विकास की स्थिति में अभी भी व्यापक रूप से सुधार नहीं आया है। पूंजी प्रवाह के संदर्भ में, यह नोट किया गया कि सख्त घरेलू मुद्रास्फीति और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में अति-ढीली नीतियों के उलटने से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर दबाव बना है। इस महीने की शुरुआत में मौद्रिक नीति समिति ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया और दोहराया कि सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है। हालांकि, आरबीआई बाजार सूक्ष्म संरचना में बदलाव के माध्यम से सक्रिय रूप से काम कर रहा है, जो रिवर्स रेपो दर के बजाय बेंचमार्क पॉलिसी रेपो दर की ओर मुद्रा बाजार दरों को कम करने के लिए कदम उठा रहा है। नतीजतन, आरबीआई ने सात या 14 दिवसीय नीलामी के बजाय तीन-दिवसीय परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो नीलामी की घोषणा की।

नीलामी में बैंकों ने 2 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 811.60 अरब रुपये जमा किए। वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो के लिए कट-ऑफ रेट बढ़ती दरों और ड्रेन-आउट लिक्विडिटी के साथ रातोंरात रेपो रेट के करीब आ गया है, जबकि मनी मार्केट रेट्स बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर, समयावधि और क्रेडिट प्रोफाइल के आधार पर दरें 20 से 50बीपी तक बढ़ गई हैं।

कैम्पस एक्टिववियर ने सेबी से मांगी IPO की मंजूरी

नई दिल्ली:

स्पोर्ट्स और एथलेटिक फुटवियर कंपनी कैम्पस एक्टिववियर ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी से अनुमति मांगी है। सेबी के समक्ष दाखिल विवरण पुस्तिका के अनुसार, इस आईपीओ में पूरी तरह से कंपनी के प्रवर्तकों एवं वर्तमान शेयरधारकों के पास मौजूद 5.1 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस में बिक्री की पेशकश करने वालों में प्रवर्तक हरि कृष्ण अग्रवाल और निखिल अग्रवाल के अलावा टीपीजी ग्रोथ III एसएफ पीटीई लिमिटेड और क्यूआरजी एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसे निवेशक शामिल हैं। फिलहाल कंपनी में प्रवर्तकों की 78.21 फीसदी हिस्सेदारी है, टीपीजी ग्रोथ और क्यूआरजी एंटरप्राइजेज की हिस्सेदारी क्रमशः 17.19 फीसदी और 3.86 फीसदी है। कैम्पस एक्टिववियर ने 2005 में 'कैंपस' ब्रांड पेश किया था।

पुरानी अर्थव्यवस्था में पूंजीगत निवेश बढ़ेगा, 2023 में अच्छी वृद्धि रहने की उम्मीद: MPC सदस्य

नई दिल्ली:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य जयंत आर वर्मा ने रविवार को उम्मीद जताई कि अब से कुछ तिमाहियों के बाद पुरानी अर्थव्यवस्था में भी पूंजीगत निवेश बढ़ेगा और अगले वित्त वर्ष में भी ठीक-ठाक वृद्धि बनी रहेगी। जाने-माने अर्थशास्त्री वर्मा ने कहा कि मुद्रास्फीति चिंता का विषय है लेकिन अभी मुद्रास्फीति के स्तर से कहीं अधिक चिंता की बात इसकी निरंतरता है। वर्मा ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था और इसकी वृद्धि के अनुमानों को लेकर मैं काफी आशावादी हूं। ऐसी उम्मीद है कि अगले वर्ष 2022-23 में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी।%% उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियां महामारी-पूर्व के स्तर से भी आगे निकल चुकी हैं और बाकी के वित्त वर्ष में और सुधार होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे आशा है कि अगली कुछ तिमाहियों में पूंजीगत निवेश बढ़ने लगेगा और यह पुरानी अर्थव्यवस्था में भी बढ़ेगा।%% कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन से अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद खतरे के बारे में उन्होंने कहा, ''वायरस के कुछ और स्वरूप भी सामने आ सकते हैं लेकिन टीकाकरण का दायरा बढ़ने के साथ आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम भी कम हो जाएगा।%% वर्मा ने कहा कि चिंता की बात यह है कि मुद्रास्फीति कम होकर चार फीसदी के लक्ष्य तक नहीं आ रही बल्कि इसके काफी लंबे समय तक पांच फीसदी तक बने रहने का खतरा भी है।

चुनौतियों के बावजूद सेंसेक्स ने 2021 में तोड़े सारे रिकॉर्ड, दिया 20% तक रिटर्न

बिजनेस डेस्क:

कोविड-19 महामारी से जुड़े जोखिमों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2021 में शानदार प्रतिफल देते हुए पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसमें वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा जारी भारी नकदी के साथ ही मददगार घरेलू नीतियों और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का भी अहम योगदान रहा। दूसरी ओर कई कंपनियों के मूल्यांकन में अत्यधिक बढ़ोतरी को लेकर चिंताएं भी देखने को मिली। व्यापक अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार और गिरावट के बीच फंसी थी लेकिन शेयर बाजार के सूचकांक सिर्फ ऊपर की ओर चढ़ते रहे। इस दौरान देश में सभी सूचीबद्ध शेयरों का कुल मूल्यांकन 72 लाख करोड़ रुपए बढ़कर लगभग 260 लाख करोड़ रुपए तक चला गया। बीएसई सेंसेक्स ने इस साल पहली बार 50,000 अंक को पार कर इतिहास बनाया और अगले सात महीनों के भीतर 60,000 के स्तर को भी पार कर गया। सूचकांक 18 अक्टूबर को अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 61,765.59 पर बंद हुआ था। हालांकि, इसके बाद कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन के खतरे की आशंका के चलते सेंसेक्स में गिरावट आई है। इसके बावजूद सूचकांक ने इस साल निवेशकों को लगभग 20 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है। सेंसेक्स दुनिया के बड़े बाजारों में सबसे महंगा भी है जिसका मूल्य एवं आय अनुपात 27.11 है। इसका मतलब है कि निवेशक सेंसेक्स की कंपनियों को भविष्य की कमाई के प्रत्येक रुपए के लिए 27.11 रुपए का भुगतान कर रहे हैं, जबकि पिछले 20 साल का औसत 19.80 है। वैसे भारतीय बाजार इस तरह का उत्साह देखने वाला अकेला बाजार नहीं है। महामारी की शुरुआत के बाद से अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नेतृत्व में वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने नकदी को बढ़ावा देने और वृद्धि को गति देने के लिए वित्तीय बाजारों में खरबों डॉलर का निवेश किया है। फेडरल रिजर्व पिछले डेढ़ साल से हर महीने 120 अरब अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड खरीद रहा है, जिससे इसका बही-खाता लगभग दोगुना होकर 8300 अरब अमेरिकी अमेरिकी डॉलर हो गया है। जूलियस बीयर के कार्यकारी निदेशक नितिन रहेजा ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत और अर्थव्यवस्था के तेजी से पुनरुद्धार के साथ आशावाद की लहर पर इस साल की शुरुआत हुई। हालांकि बाद में दूसरी लहर की तीव्रता, मुद्रास्फीति और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा जैसी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कम ब्याज दरों, नई पीढ़ी के सुधारों, पूंजी की पर्याप्त उपलब्धता और रियल एस्टेट क्षेत्र के पुनरुद्धार के चलते बाजार में तेजी रही। इस तेजी के बावजूद एक सबक यह भी है कि मूल्यांकन और बुनियादी मजबूती मायने रखते हैं और पेटीएम के आईपीओ में यह देखने को भी मिला।

म्युचुअल फंड ने 2021 में 7 लाख करोड़ रुपए जोड़े, आगे ओमीक्रॉन, दरों में बढ़ोतरी की चुनौतियां

नई दिल्ली:

म्यूचुअल फंड ने वर्ष 2021 में निवेश के साधन के रूप में निवेशकों का भरोसा जीतने के साथ ही अपने प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में सात लाख करोड़ रुपए का इजाफा किया। वहीं भारतीय कंपनियों ने इस साल इक्विटी और कर्ज के जरिए नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाई। हालांकि, ओमीक्रॉन के चलते हालात बिगड़ने की आशंका और ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी के चलते नए साल में मुश्किलों का सामना भी करना पड़ सकता है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों को उम्मीद है कि कोरोना वायरस का ओमीक्रॉन स्वरूप पिछली दो लहलों जितना गंभीर नहीं होगा। बड़ौदा म्यूचुअल फंड के सीईओ सुरेश सोनी ने कहा कि दुनिया ने काफी हद तक कोविड के साथ रहना सीख लिया है और भारत में तेजी से टीकाकरण होने के साथ ही अर्थव्यवस्था पर ओमीक्रॉन का असर उतना विनाशकारी नहीं होना चाहिए, जितना कि पिछली लहरें का रहा है। उन्होंने कहा कि कम ब्याज दरें, म्यूचुअल फंड के बारे में बढ़ती जागरूकता और अच्छे निवेश प्रदर्शन के चलते एयूएम में बढ़ोतरी जारी रहेगी। भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के मुताबिक इस उद्योग का एयूएम 2021 में नवंबर के अंत तक 24 प्रतिशत बढ़कर 38.45 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो दिसंबर 2020 में 31 लाख करोड़ रुपए था। प्राइमइन्वेस्टर डॉट इन की सह-संस्थापक विद्या बाला का मानना है कि दिसंबर के अंत में म्यूचुअल फंड एयूएम का आंकड़ा थोड़ा कम या इतना ही रह सकता है, क्योंकि इस समय बाजार में सुधार का दौर चल रहा है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक- शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि दिसंबर में अग्रिम कर भुगतान के ऋण फंड्स से कुछ निकासी हो सकती है। एम्फी के अध्यक्ष ए बालासुब्रमण्यम ने कहा कि ब्याज दरें कम होने से निवेशक पारंपरिक तरीकों के अलावा दूसरे विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड के बारे में जागरूकता बढ़ने से लोगों की भागीदारी बढ़ी है। दूसरी ओर भारतीय कंपनियों ने वर्ष 2021 में इक्विटी और कर्ज के जरिए नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाई। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि ओमीक्रॉन के चलते हालात खराब नहीं हुए तो इसमें 2022 के दौरान और अधिक मजबूती आने की उम्मीद है। ऐसा लग रहा है कि बाजार में धन की कोई कमी नहीं है। फर्स्ट वाटर कैपिटल फंड के प्रमुख प्रायोजक रिकी कृपलानी ने कहा कि बैंक काफी समय से तरलता के भंडार पर बैठे हैं और गुणवत्ता वाले कर्जदारों के लिए अवसर काफी अच्छे हैं। वर्ष 2021 में ऋण बाजारों के जरिए पूंजी जुटाने में तेजी से गिरावट आई है, जबकि इक्विटी फंड जुटाने में मजबूती आई है। इस साल दिसंबर के मध्य तक कुल 9.01 लाख करोड़ रुपए में से 5.53 लाख करोड़ रुपए ऋण बाजार से जुटाए गए, जबकि 2.1 लाख करोड़ रुपए इक्विटी बाजार से मिले।

439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.38 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली:

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक निवेश वाली कम से कम 439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में कुल 4.38 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए और उससे अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। ऐसी 1,679 परियोजनाओं में से 439 परियोजनाओं ने लागत में वृद्धि की सूचना दी और 541 परियोजनाओं में देरी हुई। मंत्रालय की नवबंर 2021 के लिए ताजा रिपोर्ट में कहा गया, ''1,679 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 22,29,544.27 करोड़ रुपए थी और अब उनके पूरा होने की अनुमानित लागत 26,67,593.85 करोड़ रुपए है, जो 4,38,049.58 करोड़ रुपए (मूल लागत का 19.65%) की कुल लागत वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2021 तक इन परियोजनाओं पर 12,88,558.49 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 48.30 फीसदी है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि यदि देरी की गणना परियोजनाओं को पूरा करने के संशोधित कार्यक्रम के आधार पर की जाए तो देरी से चलने वाली परियोजनाओं की संख्या घटकर 385 तक हो सकती है।

शाओमी 12 में 32 एमपी के फ्रंट कैमरे के साथ होगा पावरफुल प्रोसेसर

बीजिंग।

स्मार्टफोन ब्रांड शाओमी के आगामी स्मार्टफोन शाओमी 12 में 32 एमपी का फ्रंट कैमरा होगा। लॉन्च से पहले कुछ खास स्पेसिफिकेशन्स लीक हुई है। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने अपने आगामी शाओमी 12 के फ्रंट कैमरे के साथ रियर पैनल पर ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया जा सकता है। आर 50 मेगापिक्सल प्राइमरी कैमरा होगा। साथ ही एक ड्यूल एलईडी फ्लैश लाइट मौजूद होगा।रिपोर्ट के अनुसार, फोन में पंच-होल सेल्फी कैमरा दिया है। शाओमी 12 की डिस्प्ले की बात करें तो इसमें फुलएचड़ी प्लस के साथ स्क्रीन रेजॉल्युशन 1,920एक्स1,080 पिक्सल है। डिवाइस में इन-बिल्ट फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। फोन का डायमेंशन 152.7एक्स 70.0एक्स8.6 एमएम है। शाओमी 12 की प्रोसेसर की बात करें तो 5000एमएएच बैटरी के साथ 67 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दी जा सकती है। फोन यूएसबी टाइप-सी फास्ट चार्जिंग दिया जाएगा। शाओमी ने पहले घोषणा की थी कि स्नैपड्रैगन 8 जनरेशन 1-संचालित शाओमी 12 और शाओमी 12 प्रो एक साथ दिसंबर में जारी किए जाएंगे। डिवाइस में 1080पि 6.28-इंच का डिस्प्ले होगा और यह काफी लंबे समय में कंपनी का पहला कॉम्पैक्ट फ्लैगशिप होगा। इस फोन में 8जीबी रैम सपोर्ट दिया गया है। यह 5जी स्मार्टफोन होगा। इसमें ब्लूटूथ वी5.2 कनेक्टिविटी के साथ ड्यूल सिम सपोर्ट दिया गया है।

रेट्रो कर: केयर्न ने अमेरिका, ब्रिटेन में भारत सरकार के खिलाफ मुकदमे वापस लिए

बिजनेस डेस्क:

ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी पीएलसी ने अमेरिका और अन्य जगहों पर रेट्रो कर मामले में भारत सरकार और उसकी संस्थाओं के खिलाफ मुकदमे वापस ले लिए हैं। कंपनी पेरिस और नीदरलैंड में मुकदमे वापस लेने के अंतिम चरण में है। ये मुकदमे रेट्रो कर यानी पिछली तिथि से लागू कर के खिलाफ किए गए थे। कंपनी ने सरकार के साथ रेट्रो कर लगाने के सात साल पुराने विवाद का निपटारा करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई न्यायालयों में दायर मुकदमों को वापस लेने के लिए कार्यवाही शुरू की है। भारत सरकार केयर्न को करीब 7,900 करोड़ रुपए लौटाएगी। इससे पहले एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने पिछली तिथि से कर के फैसले को उलट दिया था और भारत को आदेश दिया था कि वह वसूले गए कर को वापस करे। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने कहा कि 26 नवंबर को केयर्न ने मॉरीशस में किए गए मुकदमे को वापस ले लिया और सिंगापुर, ब्रिटेन और कनाडा की अदालतों में मुकदमे वापस लिए गए। केयर्न ने 15 दिसंबर को भारत सरकार से बकाया धन की वसूली के लिए एयर इंडिया की संपत्ति को जब्त करने के लिए न्यूयार्क की एक अदालत में किए गए मुकदमे को वासप ले लिया। इसी दिन ऐसा ही कदम वाशिंगटन की एक अदालत में उठाया गया। सूत्रों ने कहा कि फ्रांस की एक अदालत में ऐसा ही एक महत्वपूर्ण मुकदमा वापसी के अंतिम चरण में है, जिसमें केयर्न की याचिका पर भारतीय संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश जारी किया गया था। इस संबंध में अगले दो दिनों में कागजी कार्रवाई पूरी होने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि नीदरलैंड में भी एक मुकदमे को वापस लेने की कागजी कार्रवाई अंतिम चरण में है। केयर्न एनर्जी पीएलसी ने पिछले महीने कहा था कि पिछली तिथि से कर लगाने से पैदा हुए विवाद के निपटारे के लिए भारत सरकार की पेशकश को उसने स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मुकदमे वापस लेने पर सहमति बनी।

वित्त वर्ष 21 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 2.3% की कमी

नई दिल्ली:

वित्त वर्ष 21 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह 4.69 लाख करोड़ रुपए रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 4.80 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2.3 प्रतिशत कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 19 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह 4.61 लाख करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 20 में 4.80 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 21 में यह 4.69 लाख करोड़ रुपए रहा है। आयकर संग्रह में ब्याज कर, फ्रिंज लाभ कर, आय और व्यय कर शामिल है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर राजस्व को लेकर कई कदम उठाये हैं ताकि कर संग्रह में बढोतरी होने के साथ ही करदाता आधार भी बढ़े और स्वैच्छिक तौर पर अनुपालनों को बढ़ावा मिल सके। इसके अतिरिक्त डिजिटल लेनदेन को भी बढ़ावा देने के साथ ही कर चोरी पर भी लगाम लगाने की कोशिश की है। वित्त मंत्रालय ने लोगों को रिटर्न दाखिल करने को सुगम बनाने के उद्देश्य से नया रिटर्न पोटर्ल शुरू किया है जिसमें पहले से भरा हुआ फॉर्म है और संबंधित व्यक्ति के सारे वित्तीय आंकड़े में उसमें होते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में गत सात दिसंबर में 3.61 लाख करोड़ रुपए के व्यक्तिगत आयकर राजस्व मिला है। सरकार की बुहत कोशिशों और कर चोरी रोकने के उपायों के बावजूद करीब 140 करोड़ की आबादी वाले इस देश में मात्र 1.5 करोड़ लोग की आयकर दे रहे हैं।

कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के बाद पृथकवास में गये शापोवालोव

सिडनी । कनाडा के टेनिस खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। शापोवालोव अगले साल की शुरुआत में होने वाले एटीपी कप टेनिस के लिए यहां पहुंचने के बाद हुई जांच में संक्रमित पाये गये थे। शापोवालोव पिछले सप्ताह अबुधाबी में विश्व टेनिस चैंपियनशिप के एक प्रदर्शनी मैच को खेलने बाद यहां पहुंचे थे। उन्होंने अबुधाबी में तीसरे स्थान के लिए हुए एक प्लेऑफ मैच में स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल को हराया था। नडाल को इस टूर्नामेंट में खेलने के बाद कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया था। नडाल के अलावा महिला टेनिस खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ट्यूनीशिया की ओंस जाबुर भी संक्रमित पायी गयी थीं। शापोवालोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि सिडनी पहुंचने के बाद से ही वह पृथकवास पर हैं क्योंकि उन्हें कोरोना संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। शापोवालोव ने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि सिडनी पहुंचने पर कोविड के लिए किया गया मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है। ऐसे में जो भी लोग पिछले दिनों मुझसे मिले थे वे अपनी जांच करा लें।

ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य और महिला टीम ने चौथा स्थान पाकर हॉकी में लौटाई देश की साख

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय हॉकी के लिए वर्ष 2021 यादगार रहा तथा तोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने प्रेरणादायक प्रदर्शन कर इतिहास रचा जिसे युगों तक याद रखा जाएगा। पुरुष टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर पदक के चार दशकों के सूखे को खत्म किया तो वही महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल कर इस खेल में नयी जान फूंक दी। कोरोना वायरस महामारी से उपजे हालात की बाधाओं और चुनौतियों को धता बताते हुए भारतीय पुरुष टीम खेल में पदक के 41 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करके अपने गौरवशाली अतीत को फिर से याद किया और एक नयी सुबह की शुरुआत की। महिला टीम मामूली अंतर से ऐतिहासिक कांस्य पदक से चूक गई, लेकिन इन वैश्विक खेलों में उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रशंसकों को भावनात्मक रूप से टीम के साथ जोड़ा। खिलाड़ियों को 2020 में बेंगलुरु के साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में एक बायो-बबल में सीमित रहना पड़ा लेकिन वर्ष 2021 की शुरुआत उनके लिये अच्छी रही। भारतीय पुरुष टीम ने जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ चार मैचों के यूरोपीय दौरे पर कड़ा संघर्ष किया लेकिन यहां उसने दो जीत के और इतने ही ड्रा मैच खेले। भारत ने अर्जेंटीना दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए 2016 के ओलंपिक चैंपियन को दो बार हराया और चार अभ्यास मैचों में से दो मुकाबले ड्रॉ रहे। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन टीम इसके बाद खिताब के दावेदार के तौर पर तोक्यो पहुंची जहां उसने पूल चरण के पांच में से चार मैच जीते। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को 3-1 से हराया लेकिन सेमीफाइनल में उसे बेल्जियम के खिलाफ 2-5 की शिकस्त झेलनी पड़ी। कांस्य पदक के मैच में भारतीय टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से शिकस्त दी। इस शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीयों ने एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) हॉकी स्टार पुरस्कार 2021 में सभी श्रेणियों में जीत हासिल की। इन पुरस्कारों में भारतीय टीम के दबदबे पर ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम ने निराशा जतायी जिससे थोड़ा विवाद भी पैदा हो गया। हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ताज पहनाया गया। पीआर श्रीजेश साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने गए तो वही विवेक सागर प्रसाद ने लगातार दूसरी बार एफआईएच उदयीमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीता।

हैमिल्टन फॉर्मूला वन के अगले सीजन से पहले ले सकते हैं संन्यास : एक्लेस्टोन

मोनाको (एजेंसी)।

मर्सिडीज के पूर्व ड्राइवर वाल्टेरी बोटास ने लुईस हैमिल्टन के फॉमूर्ला वन से संन्यास लेने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि हैमिल्टन सफलता के अधिक भूखे हैं, इसलिए वह अभी संन्यास नहीं लेंगे।हालांकि, फॉर्मूला वन के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी बर्नी एक्लेस्टोन का मानना है कि सात बार के चैंपियन 2022 में रेड बुल के ड्राइवर मैक्स वेरस्टापेन से खिताब हारने के बाद से उनकी वापसी की संभावना नहीं है। बर्नी ने कहा है कि हैमिल्टन को अबू धाबी ग्रां प्री में खिताबी हार से निराशा हुई है। लेकिन मैच में हैमिल्टन अपना आठवां विश्व खिताब जीतने के लिए बेहद करीब थे, लेकिन डच ड्राइवर वेरस्टैपेन ने उन्हें आखिरी लैप में हरा दिया था।बर्नी को लगता है कि हैमिल्टन अगले सीजन से पहले संन्यास ले लेंगे, जो मार्च में बहरीन में शुरू होने वाला है। उन्होंने सेवन न्यूज से कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अगली रेस में भाग लेंगे। क्योंकि वह पिछली हार से काफी निराश है।

शापोवालोव आस्ट्रेलिया पहुंचने पर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए

सिडनी (एजेंसी) :

कनाडा के टेनिस स्टार डेनिस शापोवालोव ने घोषणा की है कि एटीपी कप के लिए सिडनी पहुंचने के बाद उन्हें कोविड-19 के परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया है। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी आस्ट्रेलिया पहुंचने वाली कनाडाई टीम का हिस्सा है। एटीपी कप सिडनी में एक से नौ जनवरी के बीच खेला जाएगा जबकि आस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होगा। शापोवालोव पिछले सप्ताह अबुधाबी में विश्व टेनिस चैंपियनशिप के प्रदर्शनी मैच में खेले थे जहां उन्होंने तीसरे स्थान के प्लेऑफ मैच में राफेल नडाल को हराया था। नडाल को इस टूर्नामेंट में खेलने के बाद कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया था। उनके अलावा तोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच और ट्यूनीशिया की ओंस जाबुर का परीक्षण भी पॉजिटिव आया था। विश्व के पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी शापोवालोव ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह पृथकवास पर हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। शापोवालोव ने कहा कि सभी को सूचित करना चाहता हूं कि सिडनी पहुंचने पर कोविड के लिए किया गया मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है। मैं सभी दिशानिर्देशों का पालन कर रहा हूं जिसमें पृथकवास पर रहना शामिल है तथा उन लोगों को सूचित कर रहा हूं जो मेरे संपर्क में रहे।

शुभमन अरोड़ा का शतक, हिमाचल प्रदेश ने तमिलनाडु को हरा जीती विजय हजारे ट्रॉफी

(एजेंसी) ।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हिमाचल प्रदेश ने इतिहास रच दिया जब ओपनर शुभम अरोड़ा के शतक की बदौलत टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में हिमाचल प्रदेश को हरा दिया। हिमाचल को फाइनल मुकाबले में 315 रन बनाने का लक्ष्य मिला था। लेकिन शुभमन के बाद अमित कुमार फिर कप्तान रिषी धवन ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम को जीत की दहलीज तक ले गए। इससे पहले तमिलनाडु ने पहले खेलते हुए 49.4 ओवरों में 314 रन बनाए थे। उनकी शुरूआत खराब रही थी और टीम ने 40 रन पर ही चार विकेट गंवा दिए थे। ओपनर अपराजित 2 तो जगदीशन 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके अलावा साई किशोर 18 तो मुरुगन अश्विन 7 ही रन बना पाए लेकिन तभी दिनेश कार्तिक ने 103 गेंदों मे आठ चौके और सात छक्कों की मदद से 116 रन बनाए और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में ले गए। दिनेश के अलावा इंद्रजीत ने भी 71 गेंदों में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 80 रन बनाए। तमिनलाडु की ओर से शाहरुख खान नेएक बार फिर से उपयोगी पारी खेली। उन्होंने 21 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। जबकि कप्तान विजय शंकर ने 16 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए और अपनी टीम को 314 रन तक ले गए। हिमाचल की ओर से कप्तान रिषी धवन ने 62 रन देकर तीन, पंकज जायसवाल ने 59 रन देकर चार विकेट हासिल कीं। जवाब में खेलने उतरी हिमाचल की की टीम ने अच्छी शुरूआत की। प्रशांत चोपड़ा और शुभम अरोड़ा ने पहले विकेटके लिए 60 रन जोड़े। प्रशांत ने 26 गेंदों में 21 रन बनाए। दिग्विजय रंगा शून्य पर पवेलियन लौटे तो निखिल महज 18 रन ही बना पाए। लेकिन इसके बाद शुभम ने अमित कुमार के साथ मिलकर मजबूत साझेदारी की। अमित ने 79 गेंदों में छह चौकों की मदद से 74 रन बनाए तो अंत में कप्तान रिषी धवन ने 23 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा गया। हिमाचल जब 47.3 ओवरों में 299 रन बना चुकी थी तभी बारिश शुरू हो गई। तब शुभम अरोड़ा 131 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 136 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश न रुकने पर वीजेडी मैथ्ड के अनुसार हिमाचल को यहा 11 रन से विजयी घोषित कर दिया गया। यह हिमाचल प्रदेश के लिए पहला घरेलू खिताब है।

संक्षिप्त समाचार

नोवाक जोकोविच ने एटीपी कप में खेलने से किया इंकार, बताई यह वजह

बेलग्रेड । दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले 31 दिसंबर से शुरू हो रहे एटीपी कप में नहीं खेलेंगे। उनकी टीम ने शनिवार को सर्बियाई अखबार ब्लिक को इसकी पुष्टि की। उनकी टीम के एक सदस्य ने कहा कि 99 प्रतिशत निश्चित है कि नोवाक एटीपी कप में नहीं खेलेंगे। वह यहां बेलग्रेड में प्रशिक्षण ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में ही उनकी भागीदारी संदेह के घेरे में है। क्योंकि उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया है कि उन्होंने कोरोना वैक्सीन लगाई है या नहीं। उल्लेखनीय है कि सिडनी में खेला जाने वाला एटीपी कप एक टीम टूर्नामेंट है जो परंपरागत रूप से पुरुषों के टेनिस सीजन की शुरुआत करता है। दुनिया के नंबर एक जोकोविच 17 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीत सकते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए उन्हें और उनकी टीम के सदस्यों को कोरोना वैक्सीन लगवानी होगी। जोकोविच ने पिछले कुछ महीनों पहले ऑस्ट्रेलियाई सरकार के इस फैसले पर विरोध जताया था। इतना ही नहीं उनके पिता सरजन ने नवंबर में एक बयान में कहा था कि जोकोविच शायद ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलेंगे। उन्होंने आयोजकों पर ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया था।

विराट कोहली की इस बात के मुरीद हुए नए कोच राहुल द्रविड़

नई दिल्ली । टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान विराट कोहली की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि विराट ने टीम की फिटनेस का स्तर बेहतर करने का काम किया हैं। द्रविड़ कोच बनने के बाद अफ्रीका दौरे में पहली बार विराट के साथ काम कर रहे हैं। अफ्रीका दौरे में भारत तीन टेस्ट और तीन वनडे मैच की सीरीज खेलेगा। टेस्ट सीरीज का पहला मैच सेंचूरियन में रविवार को खेला जाएगा। द्रविड़ ने कहा, जब विराट ने अपना डेब्यू किया तब मैं वहां था। जब उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेला तब मैं वहां था और उस मैच में उनके साथ बल्लेबाजी भी की थी। वहां पिछले 10 सालों में क्रिकेटर के रूप में जिस तरह से आगे बढ़े हैं, वह शानदार है। उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, जिस तरह से उन्होंने टीम का नेतृत्व किया है। उन्होंने टीम के अंदर फिटनेस और ऊर्जा का नया स्तर बनाया है। मैं उनके साथ काम करने के लिए देख रहा हूं,वहां लगातार आगे बढ़ते रहे हैं और खुद को और बेहतर करने के लिए जोर डालते हैं। द्रविड़ ने अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज को लेकर कहा कि यह जगह घूमने के लिए बेहतरीन है,लेकिन क्रिकेट खेलना काफी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह काफी मजेदार भी होता है। उन्होंने कहा अफ्रीका में खेलते हुए मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। मैंने यहां एक कप्तान के रूप में टेस्ट मैच जीता है। कुछ मैच मुश्किल भी रहे हैं। हम 2003 वर्ल्डकप के फाइनल में पहुंचे थे। यह काफी बेहतर पल था। यह जगह क्रिकेट के लिए बहुत जुनून वाली है। यहां खेलों को भरपूर समर्थन मिलता है और बड़ी मात्रा में दर्शक मैच देखने आते हैं।

PKL : पल्टन ने जीत का खाता खोला, टाइटंस को मिली पहली हार

बेंगलुरू (एजेंसी) ।

पुनेरी पल्टन ने पांच मिनट के खेल के बाद ही मैट से बाहर किए गए अपने सुपरस्टार राहुल चौधरी के बिना ही शानदार खेल दिखाते हुए प्रो कबड्डी लीग के आठवें सीजन के अपने दूसरे मैच में तेलुगू टाइटंस को 34-33 के अंतर से हराकर जीत का खाता खोला। टाइटंस को हालांकि जीत के लिए इंतजार करना होगा। टाइटंस ने अपने पहले मैच में तमिल थलाइवाज के खिलाफ टाई खेला था। टाइटंस के लिए सिद्धार्थ बाहुबली देसाई फार्म में लौटे और कुल 15 अंक अपने नाम किए लेकिन दूसरे रेडरों से साथ नहीं मिल पाने के कारण वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। दूसरी ओर, पल्टन की ओर से सब्सीट्यूट मोहित गोयत ने 9 अंक तथा असलसम इनामदार ने 8 अंक बटोरकर देसाई के आंकड़ों को छोटा साबित कर दिया। देसाई पल्टन के लिए सबसे बड़ा खतरा थे। शुरुआती छह मिनट में वह चार अंक निकाल चुके थे। टाइटंस को 5-4 की लीड मिली हुई थी जल्द ही पल्टन 8-6 की लीड पर थे। देसाई ने अपनी पांचवीं रेड पर अंक लेते हुए स्कोर 7-8 किया। टाइटंस ने पंकज मोहिते को लपककर स्कोर 8-8 कर दिया। पल्टन के पाले में तीन खिलाड़ी थे। बोनस आन था और साथ ही सुपर टैकल भी। स्कोर 9-9 था। पल्टन ने देसाई के खिलाफ सुपर टैकल कर 11-9 की लीड ले ली। अब चौधरी अंदर गए थे। पल्टन का डिफेंस शानदार खेल रहा था। उसने एक और टैकल के साथ स्कोर 12-9 कर दिया। टाइटंस ने मोहित गोयत को डू ओर डाई रेड पर लपककर देसाई को अंदर आने का मौका दिया। अगली रेड पर देसाई संतुलन गंवा बैठे और शिकार कर लिए गए लेकिन उससे पहले संकेत देसाई एंडलाइन टच कर चुके थे। संकेत सहित सभी डिफेंडर्स ने देसाई को लपक लिया। रिव्यू लिया गया, जिसमें पांच अंक टाइटंस को मिला और देसाई के आउट होने पर पल्टन को भी एक अंक मिला। स्कोर 13-14 था। इसके बाद पल्टन को आलआउट कर 17-14 की लीड ले ली।

अलग-अलग कप्तान बनाने का फैसला चयनकर्ताओं का था: द्रविड़

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि हर बात सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। द्रविड़ के अनुसार टेस्ट और सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग कप्तान क्यों बनाये गये और इसके लेकर किस प्रकार की बातचीत हुई इसका खुलासा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का फैसला चयनकर्ताओं ने किया था। इस बारे में खिलाड़ियों से भी उनकी बात हुई थी। द्रविड़ ने द्रविड़ ने कहा कि अंतिम ग्यारह को लेकर कई बार कठिन फैसले लेने पड़ते हैं पर सभी खिलाड़ी पेशेवार है और वह जानते हैं कि सभी को मैदान में नहीं उतारा जा सकता है। वे स्थिति को समझते हैं क्योंकि उनमें से अधिकतर अपनी घरेलू टीमों में कप्तान या उपकप्तान जैसे पदों पर हैं। यह सही है कि बाहर बैठना सभी के लिए निराशाजनक है पर इस प्रकार के मामलों में आप कैसी प्रतिक्रिया देते हैं वह अहम रहती है। बीसीसीआई ने पिछले दिनों कप्तान विराट कोहली को एकदिवसीय कप्तानी से हटाते हुए रोहित शर्मा को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया था। विराट ने इससे पहले सितंबर में टी-20 विश्व कप 2021 के बाद टी-20 कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद उनकी जगह रोहित को एकदिवसीय कप्तान बनाया गया है।

क्वारंटीन में रहने के बाद बांग्लादेश टीम से जुड़े हेराथ

टॉरंगा। बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजी सलाहकार रंगना हेराथ ने अपना 14 दिनों का क्वोरंटीन पूरा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम से जुड़ गए। 43 वर्षीय हेराथ ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। उनके अलावा, टेस्ट टीम के आठ अन्य सदस्यों में खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ भी संक्रमित हुए थे, जिन्हें 14 दिनों तक क्वोरंटीन में रहना पड़ा। हेराथ के हवाले से क्रिकबज ने कहा, कई दिन क्वोरंटीन में रहने के बाद मैं आज टीम से जुड़कर खुशी महसूस कर रहा हूं। साथ ही, उन्होंने कहा कि मैं दौरे की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, साथ ही मुझे बीसीबी और न्यूजीलैंड हेल्थकेयर को धन्यवाद देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने मेरी बहुत अच्छी तरह से देखभाल की। बांग्लादेश की टीम अभी अंतिम चरण की तैयारी के लिए टॉरंगा में है और 28-29 दिसंबर को न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ दो दिवसीय मैच खेलेगी। पहला टेस्ट टॉरंगा के ओवल में एक जनवरी से खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट नौ जनवरी से हेगले ओवल में होगा।

भारतीय शटलरों के लिए ऐतिहासिक वर्ष रहा 2021

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु का कांस्य पदक और स्पेन में विश्व चैंपियनशिप में किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन के रजत और कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन ने 2021 को भारतीय शटलरों के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष बना दिया। इन खिलाड़ियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि वे नए साल में भी अपने बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखेंगे। भारतीय खिलाड़ियों के लिए अगले साल एक व्यस्त सीजन होगा, क्योंकि वे कम से कम 20 इवेंट में खेलते नजर आएंगे, जो दिल्ली में 11-16 जनवरी से योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन से शुरू होगा और एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2022 दिसंबर 14-22 में समाप्त होगा। सिंधु के अलावा, भारतीय बैडमिंटन को 2022 में श्रीकांत, सेन, पारुपल्ली कश्यप, बी साई प्रणीत, एचएस प्रणय और चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की युगल जोड़ी से बहुत उम्मीदें होंगी। 28 वर्षीय श्रीकांत ने फॉर्म और फिटनेस को लेकर संघर्ष किया था और उनका सबसे खराब प्रदर्शन तब रहा, जब वह टोक्यो ओलंपिक में बर्थ हासिल करने में विफल रहे। लेकिन नवंबर 2021 में जर्मनी में हायलो ओपन में दो सेमीफाइनल और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले प्रदर्शन के अलावा इंडोनेशिया मास्टर्स में किए गए बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उनका यह वर्ष शानदार रहा है। दिल्ली में 2019 इंडिया ओपन के बाद से यह श्रीकांत की पहली अंतिम उपस्थिति थी, जहां वह डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से हार गए थे। वहीं, विश्व चैम्पियनशिप फाइनल में सिंगापुर के चैंपियन लोह कीन यू से हारकर श्रीकांत ने रजत पदक जीता था। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ सेन ने जुलाई 2021 में डच ओपन में अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद, हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई और फिर डेब्यू पर वर्ल्ड टूर फाइनल के नॉकआउट चरण में पहुंचे, जहां उन्होंने कांस्य पदक जीता। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी क्लास दिखाते हुए जापान के केंटा निशिमोटो और ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को विश्व चैंपियनशिप में धूल चटा दी थी। हालांकि, 26 वर्षीय सिंधु को 2022 में ताइवान की ताई त्जु यिंग, जापान की अकाने यामागुची और स्पेनिश खिलाड़ी कैरोलिना मारिन से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी, जो चोटों से उबर रही हैं। ये वो नाम हैं, जिनसे सिंधु को लगभग हर इंटरनेशनल इवेंट में मुकाबला करना है। पूर्व विश्व नंबर 1 साइना नेहवाल, जो कई चोटों के कारण अपने करियर में पहली बार विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गईं, उनका 2022 में वापसी करनी की उम्मीद है।

भवानी देवी 2022 में चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेगी

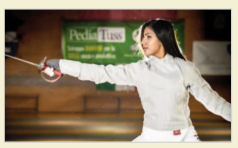

नई दिल्ली । ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय फेंसर (तलवारबाज) भवानी देवी 2022 में चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की तैयारी में हैं। इसके मद्देनजर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर ने प्रतियोगिताओं में भवानी की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) प्रणाली के तहत कुल 8.16 लाख रुपए की राशि को स्वीकृत दी है। टोक्यो खेलों में राउंड ऑफ 32 के मैच में हारने से पहले व्यक्तिगत सेबर मैच का पहला राउंड जीतने वाली भवानी चार जनवरी से जॉर्जिया के त्बिलिसी में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगी और फिर इसी शहर में 14 से 16 जनवरी तक अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग फेडरेशन विश्व कप में भाग लेंगी। इसके बाद वह 28 से 29 जनवरी तक बुल्गारिया के प्लोवदीव में होने वाले विश्व कप में भाग लेंगी। वर्तमान में व्यक्तिगत महिला सेबर श्रेणी में विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर कायम हैं। भवानी फिर ग्रीस और बेल्जियम में क्रमशःचार और पांच मार्च तथा 18 और 19 मार्च को विश्व कप में भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस साल की शुरुआत में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए मार्च 2022 तक फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) के लिए तीन करोड़ रुपए की एसीटीसी राशि को मंजूरी दी थी। दरअसल एसीटीसी प्रणाली के तहत भारत सरकार सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों के दीर्घकालिक अनुमानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/ शिविरों और एथलीट प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची को देखने के बाद हर वित्तीय वर्ष उन्हें अनुदान जारी करती है।

सूरत में मुख्यमंत्री का एक दिवसीय दौरा संपन्न

सूरत से राज्यव्यापी 'नदी उत्सव' का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल

सूरत: राज्य सरकार तापी नदी पर रिवरफ्रंट के तेजी से निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार गुजरात को ग्रीन आवरण से ढकने और उद्योगों द्वारा नदियों में केवल उपचारित पानी छोड़ने के लिए ठोस योजना बनाएगी ।यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने आज सूरत में तापी नदी के तट से राज्यव्यापी 'नदी उत्सव' का उद्घाटन करते हुए कही।

देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश भर में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल की अध्यक्षता में सूरत के सिंगनपुर वीर सह कॉजवे में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। जहां तापी नदी के पावन तट पर मुख्यमंत्री ने भूदेवो के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुण्यसलिला तपिमैया का पूजन किया. उन्होंने नदियों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए कड़ी मेहनत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नदी उत्सव' नदियों के किनारे फैली गौरवशाली संस्कृति को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है, और कहा कि नदियाँ, पर्यावरण हमारी सबसे कीमती संपत्ति हैं। हमारी नदियां राज्य के अद्वितीय विकास की मूक गवाह हैं। मनुष्यों सहित कई प्रजातियों के लिए नदियाँ शुद्ध ताजे पानी का एकमात्र स्रोत हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए जीवनदायिनी नदियों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

पिछली सरकार में देखी गई सुविधाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय में साबरमती नदी के किनारे क्रिकेट के मैदान और सर्कस के टेंट देखे जाते थे.जबकि तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी की दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप, आज आधुनिक सुविधाओं से लैस रिवरफ्रंट साकार हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 से 30 दिसंबर तक पूरे राज्य में 'नदी उत्सव' के माध्यम से नदियों और पेड़ों सहित प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा को बढ़ाया जाएगा ।इसके अलावा, सरकार का लक्ष्य शहर के सौंदर्यीकरण सहित कई विकास आयामों के साथ नदियों को जोड़कर सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने नर्मदा के केवड़िया में एकता क्रूज और रिवर राफ्टिंग जैसी अवकाश सुविधाएं विकसित की हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने राज्य स्तरीय 'फिट इंडिया, फिट गुजरात साइक्लोथॉन' प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाई

सूरत: मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने रविवार को सरकार के स्वास्थ्य विभाग और सूरत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 'फिट इंडिया, फिट गुजरात साइक्लोथॉन' प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य का प्रत्येक नागरिक स्वतंत्रता के उत्सव में भाग लेता है। एक स्वस्थ और सुखी जीवन। भीषण ठंड के बीच साइकिल रैली में 7500 से अधिक सुरतिलाला उत्साह से शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने सूरत के परिसर से साइक्लोथॉन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से इस संभावित महामारी से लड़ने के लिए तैयार रहना आवश्यक है।

कड़ाके की ठंड के बीच मोजिला सूरतियों की उत्साह भरी उपस्थिति के बीच मुख्यमंत्री ने फिट इंडिया मूवमेंट के प्रधानमंत्री के नारे को हाथ में लिया और स्वास्थ्य के प्रति राज्य के लोगों की जागरुकता की सराहना की. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना की संभावित आपदा की स्थिति में सटीक खुराक की तैयारी के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों/कॉमरेडिटी वाले लोगों को कोरोना की सटीक खुराक देने की तैयारी शुरू कर दी है. 2.5 किमी शहर के बीचोबीच समा वेसु क्षेत्र में तैयार किया गया। मुख्यमंत्री ने लंबे नवनिर्मित जॉगिंग ट्रैक पर भी शिष्टाचार भेंट की। यह ट्रैक नागरिकों के लिए वाहन पार्किंग सहित खेलों के लिए उपयोगी होगा।

साइक्लोथॉन की थीम पर शहर के भगवान महावीर कॉलेज में 10 से 30 किलोमीटर के मार्ग पर आयोजित साइक्लोथन में विभिन्न साइकिल समूहों, पुलिस कर्मियों, निगम कर्मियों और हजारों साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष साध्वी ने कहा कि "फिट इंडिया फिट गुजरात" के नारे के साथ लाखों लोगों ने राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर साइकिल रैली में भाग लिया है। सूरत नगर निगम क्षेत्र में 60 किमी का साइकिल ट्रैक तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में गुजरातियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए इस तरह का आयोजन किया जाएगा।

राज्य स्तरीय 'शहरी विकास दिवस' सूरत वासियों को कुल रु. 217.25 करोड़ के ढांचागत विकास कार्यों की सौगात देते मुख्यमंत्री

सूरत: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने साफ कहा कि एक भी विकास कार्य धन के अभाव में नहीं रुकेगा, सूरत शहर के नगर निगम को लधु भारत के नाम से जाना जाता है, सूडा और जिला प्रशासन के कुल 217.25 करोड़ रुपये के ढांचागत विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री ने सूरत सहित राज्य भर की विकास परियोजनाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश में रोल मॉडल बताते हुए कहा कि सूरत शहर को आने वाले दिनों में मेट्रो ट्रेन, रिवरफ्रंट, ड्रीम सिटी, डायमंड जैसी वैश्विक सुविधाओं वाली परियोजनाओं के माध्यम से नई पहचान मिलेगी।

'नगरीय विकास दिवस' के राज्य स्तरीय समारोह में डायमंड सिटी में मौजूद मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वराज से सुराज्य की ओर अग्रसर राज्य और केंद्र सरकार आपदाओं को अवसर में बदलकर कड़ी मेहनत की पराकाष्ठा बना रही है. सुरतियों के विवेक और खमीर को प्रबुद्ध करना और देश भर के कामकाजी परिवारों को सुख, शांति और समृद्धि के साथ रोटी और जई प्रदान करना उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला शुरू की जा रही है।

उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार ने शहरी और ग्रामीण आवास, कार्य पूंजी ऋण जैसी प्रधानमंत्री की सपनों की परियोजनाओं को प्राप्त कर सुशासन की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट, टिकाऊ और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की दिशा में अग्रणी सरकार ने वित्तीय स्थिरता के साथ वैश्विक विकास की दिशा में प्रगति की है, मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने समग्र विकास का एक वैश्विक मॉडल स्थापित किया है।

यह कहते हुए कि शहरी बस सेवा, मेट्रो ट्रेन परियोजना जैसी परियोजनाओं से प्रधान मंत्री की गतिशीलता का एहसास होगा, मुख्यमंत्री ने सूरत के परिसर से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को विभिन्न लाभों से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के कम्प्यूटरीकृत ड्रा के साथ डिजिटल रूप से विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए कहा कि सूरत के क्षितिज पर निरंतर विकास एक सुनहरा सूर्योदय होता जा रहा है।

लाजपोर जेल में कैदियों के लिए "प्रिजन ओलंपिक-२०२१" का आयोजन हुआ

सूरत: जेल में सजा काट रहे कैदी भी इंसान होते हैं. सूरत जिले की लाजपपोर जेल के कैदियों के लिए जेल में जीवन भर अच्छी शारीरिक और मानसिक स्थिति बनाए रखने के शुभ इरादे से दो दिवसीय खेल उत्सव का आयोजन किया गया है। विभिन्न खेलों में 500 से अधिक कैदियों ने भाग लिया है।

जेल में बंदियों के लिए सकारात्मक माहौल बनाने के लिए गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए लाजपुर सेंट्रल जेल, सूरत के पुरुष और महिला कैदियों के बीच खेल के क्षेत्र में जागरूकता साथ ही बंदियों में भाईचारे की भावना पैदा हो और उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य मजबूत हो इस उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज निनामा साहेब एवं उपनिरीक्षक श्री नरवडे साहब के हाथो से जेल में "प्रिजन ओलंपिक-2021" का उद्घाटन किया गया। जेल में बंद कैदियों ने विभिन्न खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें कैदियों ने मनोरंजक गतिविधियों जैसे रस्सी खींचना, 100-200-400 मीटर दौड़, वॉलीबॉल, कैरम, लंबी कूद, शतरंज, बोरी दौड़ आदि में अपना कौशल दिखाया। शनिवार और रविवार को दो दिवसीय ओलंपिक के दौरान जेल के 500 से अधिक कैदियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया है। फाइनल मैच अगले दो-तीन दिनों में खेले जाएंगे। यह बात जेल के महानिदेशक मनोज निनामा ने कही। जेल में इस तरह के आयोजन को देखकर कैदी खुश हुए और उन्होंने संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कामरेज ग्राम पंचायत के सरपंच एवं वार्ड सदस्यों का स्वागत समारोह का आयोजन संपन्न

सूरत कामरेज ग्राम पंचायत के सरपंच किंजलबेन शाह स्वागत ग्राम पंचायत के वरिष्ठ लोगों तथा कामरेज के विधायक वी.डि. जालावड़िया एवं पंचायत प्रमुख अजीतभाई आहीर, भाजपा संगठन प्रमुख बलवंत भाई पटेल, बटुकभाई वाडोदरिया तथा कामरेज के सभी सोसाइटी के प्रमुख सामाजिक अग्रणी की उपस्थिति में स्वागत किया गया। इस अवसर पर किंजलबेन शाह ने सब को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे ग्राम पंचायत के विकास के लिए मैं हमेशा प्रयत्नशील रहूंगी और उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के विकास के लिए हर संभव प्रयास करूंगी वहां उपस्थित विधायक एवं तालुका पंचायत प्रमुख का आभार प्रकट किया उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों के प्रयासों की वजह से मैं आपके बीच में ग्राम पंचायत के चुनाव जीत कर सरपंच बन पाई हूं। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री श्री नरेंद्र मोदी विचार मंच के आईटी सेल गुजरात राज्य हितेशगिरी गोस्वामी (आजाद) ने सबका आभार व्यक्त किया।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुजरात में फिर होगी बेमौसमी बारिश

अहमदाबाद। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुजरात में फिर एक बार बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक 28 दिसंबर को उत्तर गुजरात में बेमौसमी बारिश हो सकती है। बनासकांठा, पालनपुर, थरा, डीसा में मावठ की संभावना व्यक्त की गई है। 2। दिसंबर को राज्य में आसमान बादलों से घिरा रहेगा और 28 दिसंबर को सामान्य बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक बरसाती सिस्टम के हटते ही राज्य में फिर एक बार ठंड कहर ढाएगी। नए साल में कड़ाके की ठंड का अहसास होगा। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 4-5 दिन के दौरान गुजरात रिजन में तापमान सामान्य रहेगा, परंतु 2 दिन अर्थात 25 और 26 दिसंबर को मौसम साफ रहेगा और 2। दिसंबर को मौसम में थोड़ा बदलाव होगा। 28 दिसंबर को राज्य में खासकर उत्तर गुजरात में मावठ की संभावना है। 28 दिसंबर के बाद सौराष्ट्र में मौजूदा तापमान से 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी। 29 दिसंबर को गुजरातभर में न्यूनतम तापमान घट सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण गुजरात में बारिश होने की संभावना है, जिसे देखते हुए संभावित क्षेत्र के किसानों को 2। और 28 दिसंबर को अग्रीम आयोजन करने की अपील की गई है।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने उधना, सूरत में 11.45 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित 66 केवी सबस्टेशन का उद्घाटन किया

सूरत: गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (GETCO) द्वारा रु। की लागत से एक नवनिर्मित 66 केवी लक्ष्मीनारायण सबस्टेशन का उद्घाटन किया गया। इस परियोजना के तहत निर्माण लागत 1.55 करोड़ रुपये, तकनीकी उपकरणों की लागत 3 करोड़ रुपये और भूमिगत केबल की लागत 6.66 करोड़ रुपये है ।सबस्टेशन को कुल 11.45 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

इस अवसर पर मंत्री देसाई ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निर्बाध एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जानी चाहिए. इसके लिए साउथ गुजरात पावर कंपनी नई इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के साथ-साथ जरूरी नए प्रोजेक्ट तैयार कर रही है। नागरिकों की बिजली की मांग को पूरा करने के लिए शहर के विकास उन्मुख सुविधाओं के हिस्से के रूप में नवनिर्मित 66 केवी लक्ष्मीनारायण सबस्टेशन की कुल क्षमता 40 एमवीए है। अनुमानित 2214 औद्योगिक और 5000 आवासीय और वाणिज्यिक कुल 7214 ग्राहकों को लाभ मिलेगा।

गेटको के मुख्य अभियंता श्री के.आर. सोलंकी ने कहा कि 'स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव' समारोह के हिस्से के रूप में, 2 अक्टूबर से '100 दिन-100 लक्ष्य' की एक विशेष पहल ने ग्रामीण क्षेत्रों में शेष बिखरे हुए घरों में 1400 बिजली कनेक्शन का लक्ष्य रखा है, जिसके विरुद्ध कुल 148 4 में से बिजली कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि कृषि में 3300 बिजली कनेक्शन के लक्ष्य की तुलना में कुल 3 बिजली कनेक्शन का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है.

इस अवसर पर सांसद श्री सी.आर. पाटिल, कृषि राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, विधायक श्री विवेकभाई पटेल, डीजीवीसीएल की मुख्य अभियंता रीताबेन परीरा, छोटूभाई पाटिल, दामोदरभाई डी. पटेल, डीजीवीसीएल के अधिकारी एवं कर्मचारी, उद्योगपति, नगरसेवक तथा अन्य नेता उपस्थित थे।

हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक, कैबिन में बैठे क्लीनर का सिर हुआ धड़ से अलग

वडोदार। शहर के निकट नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से दूसरा ट्रक टकरा गया। इस घटना में पहले खड़े ट्रक में बैठे क्लीनर का सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौत पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद क्लीनर शव ट्रक के कैबिन से निकालकर पुलिस के हवाले किया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित अनुपमा कंपनी से नूर महमद कुरैशी और फरहान माल लादकर बिहार की ओर रवाना हुए थे। वडोदरा के निकट नेशनल हाईवे पर देणा सर्कल पर ट्रक के बिगड़ने पर ट्रक को सड़क के किनारे खड़ा दिया। उस दौरान वहां से गुजर हरियाणा के एक ट्रक ने नूर महमद कुरैशी के ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में हरियाणा के ट्रक के अगले हिस्से परखच्चे उड़ गए और उसके कैबिन में बैठे क्लीनर का सिर धड़ से अलग हो गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया। फायर टीम ने बड़ी मुश्किल से ट्रक के कैबिन में फंसे क्लीनर का शव बाहर निकाला और पुलिस को सौंप दिया। हादसे के बाद ट्रक का चालक घटनास्थल से फरार हो गया। घटना में मारा ट्रक का क्लीनर 50 वर्षीय प्रतापसिंह मोहनसिंह घराडी और उत्तराखंड के कुड पौधर गांव का निवासी होने का पता चला है। पुलिस ने बिहार जा रहे ट्रक के ड्राइवर नूर महमद की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)